दैनिक
स्वर्णिम प्रदेश
PRN: MCN/329/2025-2027
epaper.swarnimpradesh.in
संरक्षक: मां वैष्णो देवी

विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
अगर आप अपने विशेष अवसरों को खास बनाना चाहते हैं या महत्वपूर्ण सूचनाओं को व्यापक जनता तक पहुँचाना चाहते हैं, तो दैनिक स्वर्णिम प्रदेश आपके लिए सही मंच है। चाहे जन्मदिन की बधाई हो, शादी की सालगिरह, गुमशुदगी की सूचना, कानूनी नोटिस या कोई अन्य व्यक्तिगत और व्यावसायिक विज्ञापन, हम आपके संदेश को सही तरीके से पहुंचाने में मदद करेंगे। आपके विज्ञापन से समाचार पत्र को आर्थिक सहायता प्राप्त होगी, जो इसे और बेहतर सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगी।
ईमेल: swarnimpradesh@yahoo.com
या वाट्सऐप नं. 8898271111

वर्ष : 9 • अंक : 73 • मुंबई, सोमवार 26 अक्टूबर, 2026 • पृष्ठ : 6 • मूल्य: 2 रुपये • संपादक : सुनील कुमार तिवारी • Email: swarnimpradesh@yahoo.com www.swarnimpradesh.in

भोपाल में आईएसबीटी में आठ बसों में लगी आग, जलकर हुई खाक

संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के इंटर स्टेट बस टर्मिनल (आईएसबीटी) में रविवार देर शाम वर्मा ट्रेवल्स की बसों में भीषण आग लग गई। एक बस में लगी आग आसपास खड़ी दूसरी बसों तक फैल गई। इस घटना में आठ बसें जलकर खाक हो गईं। इनमें नागपुर-अहमदाबाद और सूरत रूट की बसें शामिल हैं।

सूचना मिलते ही दमकल की 10 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि आग की चपेट में आई बसें खाली खड़ी थीं और उनमें यात्री मौजूद नहीं थे। हालांकि, आग लगने के कारणों और कुल नुकसान का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। घटना के बाद दक्षिण भारत जाने वाली बसों सहित प्रभावित रूटों की कई ट्रिप निरस्त कर दी गईं। जानकारी के अनुसार, रविवार देर शाम आईएसबीटी परिसर में खड़ी एक बस में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास खड़ी दूसरी बसें भी इसकी चपेट में आ गईं। देखते ही देखते आठ बसों में आग लग गई। इनमें वर्मा ट्रेवल्स की बसें शामिल थीं, जो नागपुर, अहमदाबाद, सूरत सहित विभिन्न मार्गों पर संचालित होती थीं। बालाघाट, सिवनी और इंदौर रूट पर जाने वाली बसें भी आग से प्रभावित हुईं। आग की तीव्रता के कारण कई बसें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। फायर ऑफिसर सौरभ पटेल ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही राजधानी के अलग-अलग इलाकों से दमकल की 10 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने आग बुझाने के लिए अभियान चलाया और काफी मशक्कत के बाद उस पर काबू पाया। पुलिस और प्रशासन ने ऐहतियात के तौर पर घटनास्थल के आसपास का क्षेत्र खाली कराया और सुरक्षा घेरा बना दिया, ताकि राहत एवं बचाव कार्य में बाधा न आए। जानकारी के अनुसार, जिस स्थान पर बसों में आग लगी, उसके आसपास ऑयल टैंकर भी खड़े थे। ऐसे में आग फैलने की आशंका ने स्थिति को और संवेदनशील बना दिया। हालांकि, आग से किसी टैंकर के प्रभावित होने की पुष्टि नहीं हुई है। प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर आसपास के क्षेत्र को खाली कराया। आग की घटना के बाद वर्मा ट्रेवल्स ने प्रभावित मार्गों पर बसों के संचालन में बदलाव करते हुए कई ट्रिप निरस्त कर दिए। इनमें दक्षिण भारत जाने वाली बसें भी शामिल हैं। आग लगने की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस और संबंधित अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं। 4 से 5 करोड़ का नुकसान वर्मा ट्रेवल्स के मालिक दीपक वर्मा ने बताया कि हादसे में करीब 4 से 5 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आग शुरुआत में 2 से 3 बसों में लगी थी, जो फैलकर दूसरी बसों तक पहुंच गई। घटना की सूचना मिलने ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई थीं। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। दीपक वर्मा ने कहा कि उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है। आग कैसे लगी ये पता नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि आग की चपेट में आई सभी आठ बसें गुजरात, अहमदाबाद, सूरत समेत कई अन्य शहरों के लिए रवाना होने वाली थीं। हादसे के बाद इन बसों में जिन यात्रियों की बुकिंग थी, उनकी टिकटें कैंसिल कर दी गई हैं।

'तीसरी मुंबई' बनेगी महाराष्ट्र के विकास का नया ग्रोथ इंजन, 15 लाख रोजगार का लक्ष्य

- नैना क्षेत्र के विकास कार्यों का मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया भूमिपूजन
- हवाई अड्डे से जुड़ी प्रमुख कनेक्टिविटी परियोजनाओं का लोकार्पण

संवाददाता

रायगढ़। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा प्रभाव अधिसूचित क्षेत्र (नैना) के सुनियोजित विकास के माध्यम से लगभग 15 लाख रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें पांच लाख रोजगार उच्च वेतन वाले होंगे। इस विकास से पैदा होने वाले अवसरों में स्थानीय भूमिपुत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी। किसानों का विश्वास जीतकर उन्हें विकास का भागीदार बनाने के साथ आधुनिक बुनियादी सुविधाओं और बेहतर कनेक्टिविटी के जरिए 'तीसरी मुंबई' महाराष्ट्र के विकास का नया ग्रोथ इंजन बनेगी। रविवार को यह बात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पनवेल तालुका के शिरढोण में नैना क्षेत्र के विकास कार्यों के भूमिपूजन समारोह में कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पूर्वी हिस्से को जोड़ने वाली एसबीआर-9, बीआर-4 और बीआर-5 कनेक्टिविटी परियोजनाओं के साथ उरण बायपास पुल का लोकार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय भूधारकों को संपत्ति पत्रक भी वितरित किए गए।

सुनियोजित विकास से पैदा होंगे रोजगार के नए अवसर

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा केवल एक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति देने वाला महत्वपूर्ण केंद्र है। इसके प्रभाव क्षेत्र का सुनियोजित और समयबद्ध विकास करने के लिए एकीकृत विकास योजना तैयार की गई है। नगर नियोजन योजनाओं के माध्यम से क्षेत्र का व्यवस्थित विकास किया जा रहा है, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि नैना का विकास केवल सड़कों, इमारतों और शहरी बस्तियों के निर्माण तक सीमित नहीं रहेगा। यहां रोजगार, जलापूर्ति और अन्य बुनियादी सुविधाओं को भी प्राथमिकता दी जाएगी। एज्युसिटी, मेडिसिटी, स्पोर्ट्स सिटी, एरोसिटी और नॉलेज सिटी जैसी अवधारणाओं के जरिए विभिन्न आर्थिक और सामाजिक अवसर विकसित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि नैना क्षेत्र मुंबई, नवी मुंबई, रायगढ़, ठाणे और पालघर के विकास को नई दिशा देगा। महाराष्ट्र में मुंबई महानगर क्षेत्र के साथ पुणे, छत्रपति संभाजीनगर और नागपुर जैसे विकास केंद्र उभर रहे हैं। इसी तरह ठाणे, नवी मुंबई, रायगढ़ और पालघर आने वाले समय में राज्य के आर्थिक विकास के प्रमुख केंद्र बनेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह विकास स्थानीय भूमिपुत्रों के हितों की रक्षा करते हुए किया जाएगा।

भूधारकों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि भूधारकों को उनकी जमीन से संबंधित दस्तावेज सौंपने के बाद ही विकास कार्यों का भूमिपूजन करने का निर्णय लिया गया। इसके तहत गांववार माप-जोख, भूखंडों की पहचान, स्वामित्व अभिलेख और आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। शेष पेज 2 पर...

पूर्वोत्तर में 'नार्को-कार्टेल' पर बड़ी कार्रवाई के बाद गृहमंत्री का तस्करों को कड़ा संदेश

संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने केंद्रीय जांच एजेंसियों तथा असम, मिजोरम और मणिपुर पुलिस बल के संयुक्त सफल ऑपरेशन की सराहना की और कड़ा संदेश दिया कि अंतरराष्ट्रीय सीमाओं का फायदा उठाकर भारत की युवा पीढ़ी को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी गिरोह को बख्शा नहीं जाएगा। अमित शाह ने आज एक्स पर लिखा, केंद्र की मोदी सरकार ने नशीले पदार्थों और अवैध नेटवर्क के खिलाफ अपनी 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' चलाकर अंतरराष्ट्रीय नार्को-कार्टेल (तस्कर गिरोह) को करारा झटका दिया है। 23 अक्टूबर को केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों और राज्य पुलिस बलों के संयुक्त अभियान में असम, मिजोरम और मणिपुर के 38 विभिन्न ठिकानों पर एक साथ ताबड़तोड़ छापेमारी की गई। इस कार्रवाई में तस्कर गिरोह के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया गया है। 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' के दौरान जांच एजेंसियों के हाथ कई चौंकाने वाले सबूत लगे हैं। लगभग 100 करोड़ रुपये के हवाला नेटवर्क से जुड़े 1,424 बैंक खातों को तत्काल प्रभाव से फ्रीज कर दिया गया है, जबकि 17.82 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त की गई है। छापेमारी के दौरान 500 डेटोनेटर और 12 लाख रुपये की नकदी बरामद की गई है। इस मामले में संलिप्त 18 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच अधिकारियों के अनुसार यह अंतरराष्ट्रीय नार्को-सिंडिकेट 'डेथ ट्रायंगल कॉरिडोर' का इस्तेमाल कर भारत, म्यांमार और बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के जरिए नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी को अंजाम दे रहा था।

लोक सभा अध्यक्ष बिरला और रूस की स्टेट ड्यूमा के अध्यक्ष वोलोदिन के बीच द्विपक्षीय बैठक

संवाददाता

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को रूस की स्टेट ड्यूमा के अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोदिन के साथ एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और रूस के बीच दीर्घकालिक मैत्री तथा संस्थागत संसदीय सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने के विषय पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारत-रूस के विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी संबंधों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 80 वर्ष पूरे होना एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण और ऐतिहासिक अवसर है। द्विपक्षीय संबंधों को एक नई गति देने के उद्देश्य से लोक सभा अध्यक्ष ने भारत और रूस की संसदों के बीच अंतर-संसदीय संघ की अगली बैठक शीघ्र आयोजित करने का सुझाव दिया। दोनों पक्षों ने संसदीय स्तर पर निरंतर और संस्थागत संवाद की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। संवादात्मक तंत्र को मजबूत करने के लिए दोनों नेताओं ने संसदीय प्रतिनिधिमंडलों के नियमित आदान-प्रदान पर जोर दिया। युवा एवं महिला सांसदों के बीच आपसी संवाद और विमर्श को बढ़ावा देने की बात कही। संसदीय मैत्री समूहों के माध्यम से दोनों देशों के बीच संपर्क को और प्रगाढ़ करने पर चर्चा की। ओम बिरला ने रूसी प्रतिनिधिमंडल को भारतीय संसद की आधुनिक पहलों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि संसदीय भाषण तकनीक के माध्यम से संसदीय कार्यवाही को भारत की विभिन्न भाषाओं में सुलभ बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने रेखांकित किया कि तकनीक का बेहतर उपयोग संसदीय कामकाज को अधिक सरल, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने में अत्यंत सहायक सिद्ध हो रहा है। ओम बिरला ने कहा कि ब्रिक्स देशों की संसदों के बीच निकट और निरंतर सहयोग वैश्विक चुनौतियों के समाधान एवं विकासशील देशों की साझा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। दोनों देशों के शीर्ष नेताओं ने आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता दोहराई। लोक सभा अध्यक्ष ने इस मुद्दे पर भारत को रूस द्वारा दिए जाने वाले निरंतर समर्थन की सराहना की।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने काशी विश्वनाथ और संकटमोचन मंदिर में किए दर्शन-पूजन

संवाददाता

वाराणसी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार शाम उत्तर प्रदेश की धर्मनगरी वाराणसी के श्री संकटमोचन मंदिर और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन कर देश में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। वह भारतीय वायुसेना के 94 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रविवार को नमोघाट पर आयोजित होने वाले मेगा एयरशो 'विंग्स ओवर गंगा' के समापन समारोह में शामिल होने वाराणसी पहुंचे हैं। रात्रि विश्राम से पहले रक्षामंत्री सबसे पहले श्री संकटमोचन मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। इस दौरान मंदिर के महंत प्रो. विश्वंभरनाथ मिश्र भी मौजूद रहे। मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। संकटमोचन मंदिर में दर्शन के बाद राजनाथ सिंह श्री काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में बाबा विश्वनाथ के पावन ज्योतिर्लिंग का अभिषेक किया और षोडशोपचार विधि से पूजन-अर्चन कर देशवासियों के सुख, शांति और कल्याण की प्रार्थना की। इस दौरान भाजपा के नेता, जनप्रतिनिधि तथा सेना और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। दर्शन-पूजन के बाद रक्षामंत्री ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, "मुझे वाराणसी स्थित श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करने का सौभाग्य मिला है। महादेव की कृपा हमारे देश के सभी लोगों पर बनी रहे। हर-हर महादेव!" वाराणसी दौरे में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार देर शाम छावनी क्षेत्र स्थित वीरपुर गेस्टहाउस में ठहरे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। कुछ देर रक्षामंत्री से बातचीत के बाद मुख्यमंत्री रात्रि विश्राम के लिए सर्किट हाउस के लिए रवाना हो गए।

दो बड़े संघर्षों की कीमत चुका रही है दुनिया, भारत की आवाज है वैश्विक भावना: जयशंकर

संवाददाता

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने रविवार को कहा है कि दुनिया आज दो बड़े संघर्षों- यूक्रेन और पश्चिम एशिया में उलझी है और इसकी सबसे बड़ी कीमत वे समाज और अर्थव्यवस्थाएं चुका रही हैं जिनका इन संघर्षों से कोई लेना-देना नहीं है। ऐसे में हम असहाय दर्शक बनकर नहीं रह सकते। भारत संवाद और कूटनीति पर बल देकर असल में वैश्विक भावना को व्यक्त करता है और इस दिशा में अन्य साझेदारों के साथ काम करने के लिए तत्पर है। चिन्मय अमृत महोत्सव ग्लोबल सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने आज कहा कि जटिल आपूर्ति श्रृंखलाओं, वैश्वीकृत बाजारों और साझा संसाधनों के युग में दुनिया आधी समृद्ध और आधी वंचित रहकर प्रगति नहीं कर सकती। भारत ने निरंतर अस्थिरता बनाये रखने का ही माध्यम है। मंत्री ने अपने वक्तव्य में आतंकवाद को शांति के लिए घातक खतरा बताया और कहा कि कुछ देश आज भी राजनीतिक गणना को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की नीति के हथियार के रूप में इसका इस्तेमाल अस्वीकार्य है। इसे कभी भी उचित नहीं ठहराया जा सकता। जयशंकर ने कहा कि दुनिया को इस साझा खतरे के प्रति अधिक जागरूक होना होगा और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ मजबूत संकल्प के साथ एकजुट होना होगा। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र दिवस के अवसर पर कहा कि मानवता में प्रतिस्पर्धा और सहयोग को लेकर हमेशा बहस रही है। वैश्विक स्तर पर यह देशों के आपसी संबंधों में दिखाई देती है। आठ दशक पहले संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ने सामूहिक सहयोग की भावना को अभिव्यक्त किया। संयुक्त राष्ट्र दिवस (24 अक्टूबर) पर एकजुटता को बढ़ावा देना जरूरी है क्योंकि वैश्विक चुनौतियों और अवसरों का प्रभावी समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

भाजपा की असली ताकत बूथ स्तर के कार्यकर्ता ही संगठन के मालिक: नितिन नवीन

- रांची में कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के साथ सुनी 'मन की बात'
- बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि और लगाया रुद्राक्ष का पौधा

संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को कहा कि बूथ स्तर के कार्यकर्ता ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत और संगठन के वास्तविक मालिक हैं। समर्पित कार्यकर्ता ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विचारों, संदेशों और जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाते हैं। भाजपा की वास्तविक शक्ति उसके कार्यकर्ताओं के समर्पण और परिश्रम में निहित है। नितिन नवीन कांके विधानसभा क्षेत्र के सुकुरहुट्टू स्थित बिरसा मंडप अखाड़ा परिसर में बूथ संख्या-249 पर भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 139वें संस्करण का सामूहिक श्रवण करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। इस अवसर पर उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत रुद्राक्ष का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के बाद उन्होंने वहां मौजूद महिलाओं, कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों से संवाद भी किया। कार्यक्रम के दौरान नितिन नवीन ने संगठन में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के महत्व को रेखांकित करते हुए एक विशेष पहल की। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पीछे खड़े बूथ अध्यक्ष आकाश कुमार और मंडल अध्यक्ष प्रभात कुमार को अपने पास बुलाया और दोनों को अपने बगल में खड़ा किया। इस दौरान उन्होंने बूथ अध्यक्ष को अपना मालिक बताते हुए कार्यकर्ताओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ता ही संगठन की नींव हैं। उनके परिश्रम और समर्पण से पार्टी की नीतियां और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं आम लोगों तक पहुंचती हैं। नितिन नवीन ने कहा कि वह रांची में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। इसी क्रम में उन्हें कांके विधानसभा क्षेत्र में आम लोगों और कार्यकर्ताओं के साथ 'मन की बात' सुनने का अवसर मिला। उन्होंने उपस्थित लोगों का अभिनंदन करते हुए सभी के प्रति आभार जताया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी लखपति दीदी योजना का उल्लेख करते हुए महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मिशन मोड में काम कर रहे हैं। तीन करोड़ लखपति दीदियां बनाने का लक्ष्य हासिल किया जा चुका है और अब इस अभियान को आगे बढ़ाते हुए अधिक से अधिक महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है।

संपादकीय

भारत-अमरीका तेल गठबंधन

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अचानक भारत के प्रति इतने विनम्र और दोस्ताना क्यों दिखाई देने लगे हैं? भारत की तारीफों के पीछे क्या केवल व्यापार समझौते की उम्मीद है या इसके पीछे तेल, ऊर्जा सुरक्षा और बदलते वैश्विक समीकरणों का बड़ा खेल छिपा है? ट्रंप लगातार भारत के साथ व्यापार समझौते के अंतिम चरण में पहुंचने के संकेत देते रहे हैं। उनके प्रशासन की गतिविधियां भी बताती हैं कि वाशिंगटन अब भारत को केवल एक बड़े बाजार के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था के एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में देख रहा है। भारत की विशाल रिफाइनिंग क्षमता, पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बढ़ती भूमिका ने उसे ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया है, जहां अमेरिका को भी उसके साथ संबंधों को नई दिशा देने की जरूरत महसूस हो रही है। अमरीकी विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मार्को रूबियो का भारत दौरा इसी बदलती कूटनीति का संकेत माना जा सकता है। तीन दिवसीय प्रवास के दौरान उन्होंने भारत की रिफाइनिंग क्षमता की प्रशंसा करते हुए उसे 'रिफाइनिंग सुपरपावर' करार दिया। उन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी, अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी और टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन सहित प्रमुख उद्योगपतियों से मुलाकात की। इन बैठकों का महत्व केवल औपचारिक मुलाकातों तक सीमित नहीं है। ऊर्जा, उद्योग, प्रौद्योगिकी और व्यापार के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं भारत-अमरीका संबंधों को नया आर्थिक आधार दे सकती हैं। रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी में उनकी दिलचस्पी भी इसी संदर्भ में देखी जा रही है। भारत की रिफाइनिंग क्षमता उसकी आर्थिक और रणनीतिक ताकत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। देश में मौजूद 23 रिफाइनरियां घरेलू जरूरतें पूरी करने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी बड़ी भूमिका निभाती हैं। भारत डीजल, पेट्रोल, विमान ईंधन और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों का प्रमुख निर्यातक है। अमेरिका और यूरोप के बाजार भारतीय पेट्रोलियम उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण हैं। खास बात यह है कि भारत की कुछ रिफाइनरियां अलग-अलग गुणवत्ता वाले कच्चे तेल को संसाधित करने की तकनीकी क्षमता रखती हैं। जामनगर रिफाइनरी जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं भारी और सल्फरयुक्त कच्चे तेल के शोधन में विशेष महत्व रखती हैं। यही क्षमता भारत को वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में एक प्रभावशाली स्थान प्रदान करती है। अमरीका की दिलचस्पी का एक प्रमुख कारण वेनेजुएला का तेल भी है। वेनेजुएला के पास दुनिया के सबसे बड़े प्रमाणित तेल भंडार हैं और उसका कच्चा तेल अपेक्षाकृत भारी होता है। ऐसे तेल के शोधन के लिए विशेष तकनीक और सुविधाओं की आवश्यकता होती है। भारत की कुछ रिफाइनरियां इस काम के लिए उपयुक्त हैं। इसलिए अमेरिका यदि वेनेजुएला के तेल को अंतरराष्ट्रीय बाजार में अधिक प्रभावी ढंग से बेचने की रणनीति बनाता है, तो भारतीय रिफाइनिंग उद्योग उसके लिए उपयोगी साझेदार साबित हो सकता है। हालांकि, वेनेजुएला के तेल पर अमेरिकी नियंत्रण या उसके निर्यात से जुड़े किसी भी दावे को राजनीतिक और कानूनी परिस्थितियों के संदर्भ में सावधानी से देखना जरूरी है। भारत और अमरिका के बीच ऊर्जा व्यापार पहले से ही महत्वपूर्ण है। भारत अमेरिका से अरबों डॉलर का कच्चा तेल खरीदता है। इसके बावजूद भारत की ऊर्जा नीति किसी एक देश पर निर्भर रहने के बजाय विभिन्न स्रोतों से आपूर्ति सुनिश्चित करने पर आधारित रही है। रूस, पश्चिम एशिया और अमेरिका से होने वाला आयात इसी रणनीति का हिस्सा है। भारत के लिए कच्चे तेल की खरीद में कीमत, परिवहन लागत, आपूर्ति की नियमितता और भुगतान की शर्तें महत्वपूर्ण होती हैं।

शरद पूर्णिमा पर कौशल्य सेवा फाउंडेशन ने महिलाओं में वितरित किए 108 तुलसी के पौधे

■ **साकीनाका के लक्ष्मी नारायण मंदिर में हुआ आयोजन, बड़ी संख्या में महिला-पुरुष हुए शामिल**

संवाददाता

मुंबई। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर मुंबई के साकीनाका, अंधेरी पूर्व स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर में कौशल्य सेवा फाउंडेशन की ओर से 108 तुलसी के पौधों का महिलाओं में वितरण किया गया।

यह कार्यक्रम मुंबई भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा के सानिध्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला और पुरुष उपस्थित रहे। इस अवसर पर कौशल्य सेवा फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष रागिनी उपाध्याय भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, परंपराओं और पर्यावरण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था। तुलसी के पौधों के वितरण के माध्यम से महिलाओं को भारतीय परंपराओं से जुड़ने तथा घर-परिवार में धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया। कौशल्य सेवा फाउंडेशन का उद्देश्य समाज के सामाजिक एवं सांस्कृतिक उत्थान में योगदान देना तथा समाज के प्रत्येक वर्ग में सेवा, सहयोग और अपनत्व की भावना जागृत करना है।

फाउंडेशन समय-समय पर विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर जागरूकता, सकारात्मक सोच और मानवीय मूल्यों को प्रोत्साहित करता है। फाउंडेशन की प्रमुख गतिविधियों में कलात्मक कौशल का प्रशिक्षण, वृद्धाश्रमों में जाकर बुजुर्गों के साथ समय बिताना, उनके जीवन में अपनत्व एवं प्रसन्नता का संचार करना, अनाथालयों में बच्चों को कला और हुनर सिखाकर उनका आत्मविश्वास बढ़ाना तथा जरूरतमंद एवं निराश्रित बच्चों की यथासंभव सहायता करना शामिल है।

धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से ईश्वर के प्रति आस्था, भारतीय परंपराओं, संस्कारों और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करना भी फाउंडेशन की प्राथमिकताओं में शामिल है। फाउंडेशन का मानना है कि सेवा केवल सहायता करने तक सीमित नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति को समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा होने का एहसास कराना भी इसका अभिन्न अंग है। इस आयोजन के माध्यम से सामाजिक एकता, धार्मिक आस्था और सेवा भावना को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया।

पेज 1 का शेष...

'तीसरी मुंबई' बनेगी...

उन्होंने भरोसा दिलाया कि भूधारकों की समस्याओं का समाधान होने तक राज्य सरकार उनके साथ खड़ी रहेगी। स्थानीय किसानों और भूमिपुत्रों को विकास प्रक्रिया में भागीदार बनाना सरकार की प्राथमिकता है।

'नैना क्षेत्र का विकास तेजी से करेंगे, भूमिपुत्रों को बनाएंगे भागीदार'

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि नैना क्षेत्र में लंबे समय से लंबित समस्याओं का समाधान कर विकास को गति देने की दृष्टि से यह दिन ऐतिहासिक है। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और अटल सेतु के कारण पनवेल, उरण, नवी मुंबई और रायगढ़ क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिली है। यह क्षेत्र महाराष्ट्र के नए ग्रोथ इंजन के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे को जोड़ने वाली प्रमुख कनेक्टिविटी परियोजनाओं के शुरू होने से मुंबई-पुणे राजमार्ग और राष्ट्रीय राजमार्गों से संपर्क अधिक मजबूत होगा। नैना क्षेत्र के भूधारकों की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए विकास शुल्क और बेटरमेंट चार्ज शून्य करने का निर्णय लिया गया है। फ्रीहोल्ड से संबंधित प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है। भूधारकों को संपत्ति पत्रक वितरित किए जाने से उनके भूखंडों के स्वामित्व अधिकारों का आधिकारिक रिकॉर्ड दर्ज करने का रास्ता साफ हुआ है। शिंदे ने कहा कि जिन भूमिपुत्रों ने अपनी जमीन देकर विकास की नींव रखी है, उन्हें इसका उचित लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि मुंबई, नवी मुंबई और तीसरी मुंबई को मजबूत सड़क और मेट्रो कनेक्टिविटी से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। अगले 25 से 50 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर नैना क्षेत्र की योजना बनाई गई है। सरकार 'विश्वास, पारदर्शिता और परिवर्तन' के सिद्धांतों पर काम करते हुए स्थानीय लोगों को रोजगार, भूधारकों को न्याय और नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

बेहतर कनेक्टिविटी से उद्योग, व्यापार और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार ने कहा कि नैना क्षेत्र का सुनियोजित विकास और नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक बेहतर कनेक्टिविटी स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी। पनवेल, उरण, नवी मुंबई और रायगढ़ जिले के विकास के लिहाज से ये परियोजनाएं महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बताया कि लगभग 953 करोड़ रुपये की लागत से तैयार एसबीआर-9, बीआर-4 और बीआर-5 जैसी कनेक्टिविटी परियोजनाओं से पुणे, पनवेल, ठाणे और कल्याण क्षेत्र से हवाई अड्डे तक पहुंचना अधिक तेज और सुविधाजनक होगा। लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित उरण बायपास से शहर में यातायात का दबाव कम होगा। इससे स्थानीय नागरिकों, मछुआरों और किसानों का आवागमन भी आसान होगा। उन्होंने कहा कि उलवे कोस्टल रोड, अटल सेतु और अन्य प्रमुख मार्गों की कनेक्टिविटी से क्षेत्र के विकास को और गति मिलेगी। सुनेत्रा पवार ने कहा कि हवाई अड्डे, अटल सेतु, कनेक्टिविटी परियोजनाओं और नैना क्षेत्र के सुनियोजित विकास को एक साथ जोड़ने से उद्योग, व्यापार, सेवा क्षेत्र और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और मुंबई पर बढ़ते दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। नवी मुंबई और रायगढ़ महाराष्ट्र के आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरेंगे।

225 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के 94 गांवों का होगा समग्र विकास

कार्यक्रम की प्रस्तावना में सिडको के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अश्विन मुदगल ने बताया कि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कारण नवी मुंबई, पनवेल, उरण और आसपास के क्षेत्रों के विकास को नई दिशा मिल रही है। लगभग 225 वर्ग किलोमीटर में फैले 94 गांवों के समग्र विकास की जिम्मेदारी सिडको विशेष नियोजन प्राधिकरण के रूप में निभा रहा है। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे, परिवहन व्यवस्था, शहरी विकास और भविष्य के आर्थिक अवसरों को ध्यान में रखते हुए नैना क्षेत्र को आधुनिक, सक्षम और टिकाऊ शहरी केंद्र में बदलना का लक्ष्य है। सड़कों, पुलों, एलिवेटेड मार्गों, फ्लाईओवर, इंटरचेंज और सर्विस रोड के एकीकृत नियोजन से यात्रा के समय और ईंधन की बचत होगी। इससे यातायात की भीड़ और प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी। साथ ही व्यापार, उद्योग और रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा।

एल.आई.सी
भारतीय जीवन बीमा से संबंधित किसी भी जानकारी या समस्या समाधान हेतु संपर्क करें।
-भारत सिंह
मो. 9967255741

महत्वपूर्ण सूचना

विज्ञापन प्रति के स्वीकृति पूर्व एहतियातन बरती जाने के बावजूद, उसमें अंतर्भूत बाते जाँचना संभव नहीं है। ऐसी अंतर्भूत बातों के लिए दैनिक स्वर्णिम प्रदेश के अंतर्गत समाचार पत्र या प्रकाशनों में आनेवाली कंपनियां, संस्थाए या व्यक्तिगत विज्ञापनों के साथ हुए किसी भी प्रकार के व्यवहार के लिए समाचार पत्र जिम्मेदार नहीं है।

आज का राशिफल

मेष: कार्यक्षेत्र में आपका नेतृत्व सराहा जाएगा। व्यापारिक यात्राओं से नए सौदे मिलेंगे। पारिवारिक सहयोग बना रहेगा। आर्थिक लाभ के नए अवसर मिलेंगे। सेहत उत्तम रहेगी, ऊर्जावान महसूस करेंगे। सूर्य देव को जल अर्पित करें।

वृषभ: सहकर्मियों के साथ तालमेल अच्छा रहेगा। पुराने निवेश से मुनाफा मिल सकता है। जीवनसाथी का सहयोग मनोबल बढ़ाएगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सेहत सामान्य रहेगी, आराम लें। सूर्य नमस्कार करें और रोली चढ़ाएं।

मिथुन: करियर में नई दिशा मिलेगी, सफलता मिलेगी। व्यापार में नए अवसर भुनाने का समय है। प्रियजनों के साथ मधुरता बढ़ेगी। आय में सुधार की अच्छी संभावना है। मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगे। आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें।

कर्क: दफ्तर में आपकी बात को महत्व मिलेगा। व्यापारिक स्थिति मजबूत होगी, लाभ होगा। पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा। धन लाभ के योग बने हुए हैं। सेहत अच्छी रहेगी, ताजगी रहेगी। भगवान विष्णु को पीले फूल अर्पित करें।

सिंह: आपके निर्णय सफलता दिलाएंगे। कारोबार में बड़ा धन लाभ संभव है। दांपत्य जीवन में सुख और शांति रहेगी। आय में वृद्धि के मजबूत संकेत हैं। शारीरिक ऊर्जा बनी रहेगी। सूर्य मंत्र का जप करें।

कन्या: सतर्कता से काम करें, कोई लापरवाही न बरतें। व्यापार में लिखा-पढ़ी में सावधानी रखें। परिजनों के साथ नम्रता से बात करें। फालतू खर्चों पर नियंत्रण रखें। सेहत सामान्य रहेगी, योग करें। गाय को रोटी और गुड़ खिलाएं।

तुला: पदोन्नति की दिशा में कदम बढ़ेंगे। साझेदारी में लाभ के योग हैं। पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा। वित्तीय मामलों में दिन बेहद शुभ है। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, ऊर्जावान रहेंगे। सूर्य देव को तांबे के लोटे से जल दें।

वृश्चिक: विरोधियों पर बढ़त बनी रहेगी। व्यापार में मुनाफा बढ़ने की पूरी उम्मीद है। परिवार में एकता और सहयोग रहेगा। अटका धन मिल सकता है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा, तनाव से बचें। लाल चंदन का तिलक लगाएं।

धनु: रचनात्मक कार्यों में बड़ी सफलता मिलेगी। व्यापार में नया निवेश लाभ देगा। संतान पक्ष से संतोष मिलेगा। आय के स्रोत सुदृढ़ होंगे। मानसिक शांति बनी रहेगी। पिता का आशीर्वाद लेकर दिन शुरू करें।

मकर: दफ्तर में शांति से अपना काम निपटाएं। व्यापारिक लेन-देन में सतर्क रहें। परिवार में तालमेल बनाए रखें। खर्चों का बजट बनाकर चलें। थकान से बचें, पर्याप्त विश्राम करें। सूर्य देव की आरती करें

कुंभ: सूझबूझ से काम बनेंगे, मान मिलेगा। व्यापार में प्रगति और लाभ होगा। मित्रों से मुलाकात सुखद रहेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, फुर्ती रहेगी। बहते जल में लाल फूल प्रवाहित करें।

मीन: कार्यस्थल पर आपकी सलाह सराही जाएगी। व्यापार में मुनाफे के मौके मिलेंगे। परिवार में मांगलिक माहौल रहेगा। धन संचय में सफलता मिलेगी। सेहत अच्छी रहेगी, मानसिक शांति मिलेगी। सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर प्रणाम करें।

दिल्ली चलो रैली से कितना बदलेगा सियासी परिदृश्य?

सौरभ वार्ष्णेय

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव केवल सरकार चुनने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास, संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता और नागरिक अधिकारों की अभिव्यक्ति का आधार हैं। ऐसे में जब चुनाव प्रक्रिया अथवा मतदाता सूची की शुद्धता पर सवाल उठते हैं, तो उनका महत्व किसी एक राजनीतिक दल या गठबंधन तक सीमित नहीं रहता। यह लोकतंत्र की विश्वसनीयता से जुड़ा विषय बन जाता है। इसी संदर्भ में इंडिया गठबंधन ने चुनाव आयोग के खिलाफ अपना राजनीतिक अभियान तेज करने की तैयारी की है। गठबंधन की प्रस्तावित 'दिल्ली चलो रैली और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रतीकात्मक 'जन महाभियोग' की घोषणा ने चुनावी पारदर्शिता, संवैधानिक जवाबदेही और विपक्ष की राजनीति को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। वहीं एसआईआर का आशय था कि मतदाता सूची को संशोधित किया जाये जबकि बार बार सिस्टम की नाकामी साबित सामने आ रही है। ऐसे में इंडिया गठबंधन के दिल्ली चलो रैली से कितना सियासी परिदृश्य बदलेगा यह देखने वाली बात होगी? इंडिया गठबंधन को ले तो इनके प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, 30 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रतीकात्मक 'जन महाभियोग' आयोजित किया जाएगा, जबकि एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में 'दिल्ली चलो रैली' होगी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल के अनुसार, इस कार्यक्रम के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की मांग को लेकर जनता के सामने अपना पक्ष रखा जाएगा। गठबंधन का आरोप है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया में अनियमितताएं हुई हैं। हालांकि, इन आरोपों की वास्तविकता का आकलन संबंधित तथ्यों, दस्तावेजों और चुनाव आयोग के जवाब के आधार पर ही किया जाना चाहिए। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में मतदाता सूची तैयार करना और उसे नियमित रूप से अद्यतन रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल हों और अपात्र नाम हटाए जाएं, यह सुनिश्चित करना निर्वाचन व्यवस्था की जिम्मेदारी है। लेकिन इस प्रक्रिया में किसी पात्र नागरिक का नाम छूटने, गलत तरीके से हटने या किसी अन्य प्रकार की त्रुटि की शिकायत सामने आती है, तो उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। एसआईआर जैसी प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाना हो सकता है, लेकिन उसकी सफलता केवल प्रशासनिक आंकड़ों से नहीं, बल्कि पारदर्शिता और नागरिकों के भरोसे से तय होगी। यदि किसी मतदाता को अपना नाम हटाए जाने या शामिल नहीं किए जाने की आशंका है, तो उसे आपत्ति दर्ज कराने, दस्तावेज प्रस्तुत करने और समयबद्ध समाधान प्राप्त करने का प्रभावी अवसर मिलना चाहिए। विशेष रूप से गरीबों, प्रवासी श्रमिकों, बुजुर्गों और उन नागरिकों के लिए व्यवस्था सरल होनी चाहिए, जिनके पास आवश्यक दस्तावेज जुटाने के सीमित साधन हैं। इंडिया गठबंधन ने इसी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को अपना प्रमुख मुद्दा बनाया है। अब महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या विपक्ष अपने आरोपों को ठोस प्रमाणों के साथ सामने रख पाएगा और क्या चुनाव आयोग प्रत्येक शिकायत का स्पष्ट एवं तथ्यपरक उत्तर देगा? लोकतांत्रिक व्यवस्था में आरोप लगाना का अधिकार विपक्ष को है, लेकिन आरोपों की जांच और निष्कर्ष तथ्यों के आधार पर ही निकलने चाहिए। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिसकी विश्वसनीयता लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उसकी जिम्मेदारी केवल चुनाव संपन्न कराना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और कानून के अनुरूप हो। आयोग के प्रति जनता का विश्वास कमजोर पड़ता है, तो चुनाव परिणामों की स्वीकार्यता और राजनीतिक व्यवस्था की स्थिरता भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए चुनाव आयोग को विपक्ष की आलोचना को केवल राजनीतिक आरोप मानकर खारिज करने के बजाय, जहां आवश्यक हो, तथ्यों के साथ जवाब देना चाहिए। मतदाता सूची में संशोधन, नाम हटाने की प्रक्रिया, दावों और आपत्तियों के निस्तारण तथा शिकायतों पर कार्रवाई से संबंधित जानकारी सार्वजनिक करना इस दिशा में उपयोगी कदम हो सकता है। दूसरी ओर, किसी संवैधानिक पदाधिकारी पर लगाए गए आरोपों को प्रमाणित मान लेना भी उचित नहीं होगा। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ इस्तीफे की मांग करना विपक्ष का राजनीतिक अधिकार है, लेकिन पद से हटाने की प्रक्रिया संवैधानिक और कानूनी प्रावधानों के अनुरूप ही हो सकती है। प्रतीकात्मक 'जन महाभियोग जनता के बीच राजनीतिक संदेश देने का माध्यम हो सकता है, परंतु वह अपने आप में किसी संवैधानिक पदाधिकारी को हटाने की औपचारिक कानूनी प्रक्रिया का विकल्प नहीं है। रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली इंडिया गठबंधन के लिए अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने का अवसर भी होगी। चुनावी पारदर्शिता जैसे मुद्दे पर विपक्ष विभिन्न दलों को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रहा है। यदि गठबंधन इस अभियान को केवल नारों और आरोपों तक सीमित रखने के बजाय प्रभावित मतदाताओं की शिकायतों, दस्तावेजी साक्ष्यों और सुधार के ठोस सुझावों से जोड़ता है, तो उसे व्यापक जनसमर्थन मिल सकता है लेकिन विपक्ष के सामने एक चुनौती यह भी है कि जनता के सामने उसकी विश्वसनीयता केवल सरकार या चुनाव आयोग की आलोचना से नहीं बनेगी। उसे यह बताना होगा कि मतदाता सूची की त्रुटियों को दूर करने के लिए वह कौन-सी व्यावहारिक उपाय चाहता है और नागरिकों के मतदान के अधिकार की रक्षा के लिए उसकी स्पष्ट कार्ययोजना क्या है। राजनीतिक दलों के लिए यह भी जरूरी है कि वे अपनी शिकायतों को संबंधित वैधानिक मंचों पर उठाएं और उपलब्ध कानूनी उपायों का उपयोग करें। वहीं, सत्तापक्ष और चुनाव आयोग की ओर से भी अपेक्षा की जाती है कि वे इस मुद्दे को केवल विपक्ष की राजनीति बताकर टालने के बजाय सार्वजनिक विश्वास को मजबूत करने वाले कदम उठाएं। लोकतंत्र में संस्थाओं की प्रतिष्ठा आलोचना से नहीं, बल्कि पारदर्शी कामकाज, जवाबदेही और निष्पक्ष आचरण से मजबूत होती है। इंडिया गठबंधन की 'दिल्ली चलो रैली और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रस्तावित प्रतीकात्मक कार्यक्रम का वास्तविक महत्व इस बात से तय होगा कि इससे मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर कितनी सार्थक चर्चा आगे बढ़ती है। केवल भीड़ जुटाना या राजनीतिक आरोपों को दोहराना किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। इसी तरह, शिकायतों को अनदेखा करना भी लोकतांत्रिक विश्वास के लिए उचित नहीं होगा। जरूरत इस बात की है कि मतदाता सूची से जुड़ी प्रत्येक गंभीर शिकायत की निष्पक्ष जांच हो, प्रभावित नागरिकों को न्याय मिले और चुनाव आयोग अपने निर्णयों तथा प्रक्रियाओं के संबंध में पर्याप्त पारदर्शिता बनाए रखे। विपक्ष को भी अपने आरोपों के समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए और राजनीतिक आंदोलन को संस्थागत सुधारों से जोड़ना चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती सत्ता पक्ष की जीत या विपक्ष की हार से नहीं, बल्कि इस विश्वास से तय होती है कि प्रत्येक पात्र नागरिक का मत सुरक्षित है और चुनाव प्रक्रिया कानून के अनुसार निष्पक्ष ढंग से संचालित होती है। अंततः चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों और सरकार—सभी की जवाबदेही जनता के प्रति है। यदि 'दिल्ली चलो अभियान इस जवाबदेही को मजबूत करने और मतदाता के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस पहल का माध्यम बनता है, तो इसका महत्व किसी एक रैली या राजनीतिक टकराव से कहीं अधिक होगा।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने नवी मुंबई में इंडिया ज्वेलरी पार्क का किया शुभारंभ

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र को दुनिया में आभूषण निर्माण और निर्यात का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। रविवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नवी मुंबई के महापे में 'इंडिया ज्वेलरी पार्क, मुंबई' परियोजना के काम का शुभारंभ किया। करीब 22 एकड़ क्षेत्र में विकसित होने वाला यह आधुनिक ज्वेलरी मैन्युफैक्चरिंग पार्क राज्य के रत्न एवं आभूषण उद्योग को नई दिशा देने के साथ उत्पादन, निर्यात और रोजगार के अवसर बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकता है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि मुंबई और महाराष्ट्र की कारोबारी क्षमता, कुशल कारीगर, उद्यमशीलता की परंपरा और अनुकूल औद्योगिक वातावरण राज्य को वैश्विक आभूषण उद्योग का प्रमुख केंद्र बनाने की क्षमता रखते हैं। सरकार और उद्योग जगत के सहयोग से विकसित होने वाला यह पार्क भविष्य में उद्योग के विकास का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

वैश्विक बाजार की चुनौतियों के बीच आधुनिक तकनीक पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि अमेरिका और चीन जैसे बड़े बाजारों में बदलती परिस्थितियों के कारण अंतरराष्ट्रीय व्यापार में नई चुनौतियां पैदा हो रही हैं। ऐसे में उद्योगों को बदलते बाजार की जरूरतों को समझते हुए आधुनिक तकनीक अपनाने, उत्पादन में नवाचार करने और निर्यात के नए अवसर तलाशने की जरूरत है। इंडिया ज्वेलरी पार्क उद्योग को आधुनिक सुविधाएं और बेहतर उत्पादन व्यवस्था उपलब्ध कराने में मदद करेगा। इससे महाराष्ट्र के आभूषण कारोबार को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत बनाने का अवसर मिलेगा।

22 एकड़ में विकसित होगा आधुनिक ज्वेलरी पार्क

महापे में 22 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही इस परियोजना का उद्देश्य आभूषण निर्माण से जुड़ी गतिविधियों को एक आधुनिक औद्योगिक परिसर में बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले 30 से 40 वर्षों में जब इस परियोजना के महत्व का आकलन किया जाएगा, तब इसके निर्माण के लिए प्रयास करने वाले उद्योग जगत के नेतृत्व को याद किया जाएगा। परियोजना को महाराष्ट्र के औद्योगिक विकास के दीर्घकालिक प्रयासों में महत्वपूर्ण पड़ाव बताया गया।

उद्योगों को सुविधाएं देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

फडणवीस ने कहा कि उद्योग स्थापित करने के लिए केवल जमीन उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए बिजली, पानी, सड़क, पूंजी, बुनियादी ढांचे और विभिन्न विभागों की मंजूरियां समय पर मिलना भी जरूरी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के काम में किसी तरह की बाधा आने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए। सरकार की कोशिश होगी कि जरूरी सुविधाएं और प्रशासनिक सहयोग समय पर मिले, जिससे परियोजना का निर्माण तेजी से पूरा हो सके। उन्होंने सरकार और उद्योग जगत के बीच बेहतर समन्वय को भी औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक बताया।

विकसित भारत के लक्ष्य में महाराष्ट्र की भूमिका

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। इसे हासिल करने में विनिर्माण, निर्यात, रोजगार सृजन और उद्यमशीलता की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के प्रयासों के साथ महाराष्ट्र भी एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। इंडिया ज्वेलरी पार्क जैसी परियोजनाएं राज्य की आर्थिक गतिविधियों और औद्योगिक क्षमता को बढ़ाने में योगदान देंगी।

त्योहारों पर FDA की बड़ी कार्रवाई: 12.74 करोड़ रुपये का माल जब्त

महाराष्ट्र में 68 खाद्य प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित, प्रतिबंधित गुटखा और तंबाकू के मामलों में 22 FIR दर्ज, 20 आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। नवरात्रोत्सव और आगामी दिवाली के मद्देनजर नागरिकों को सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) ने राज्यभर में विशेष जांच और कार्रवाई अभियान चलाया। इस अभियान में करीब 12.74 करोड़ रुपये का माल जब्त किया गया, जबकि खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के मामलों में 68 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस या पंजीकरण निलंबित किए गए। प्रतिबंधित गुटखा, पान मसाला और सुगंधित तंबाकू के खिलाफ कार्रवाई में 22 FIR दर्ज कर 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। FDA आयुक्त तुकाराम मुंढे के मार्गदर्शन में मुंबई, कोंकण, पुणे, नासिक, छत्रपति संभाजीनगर, नागपुर और अमरावती—इन सातों विभागों में अभियान चलाया गया। इस दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, संभावित मिलावट, गलत लेबलिंग, अस्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन की जांच की गई।

नष्ट किए जाने वाले खाद्य पदार्थ दोबारा बाजार में पहुंचने की आशंका

ठाणे और पुणे जिलों में ऐसे मामलों की विशेष जांच की गई, जिनमें एक्सपायरी, खराब या अस्वीकृत खाद्य पदार्थों को नष्ट करने के लिए भेजे जाने के बावजूद उनके दोबारा बाजार में पहुंचने की आशंका जताई गई थी। इस कार्रवाई में 8,392 किलोग्राम खाद्य सामग्री, जिसकी अनुमानित कीमत 48.09 लाख रुपये है, सामने आई। FDA के अनुसार, संबंधित कंपनियों के गोदामों, निपटान ठेकेदारों, अनधिकृत निपटान केंद्रों, बिचौलियों, आपूर्तिकर्ताओं और खुदरा विक्रेताओं के माध्यम से संभावित आपूर्ति श्रृंखला की जांच की गई। जांच के दौरान खाद्य सामग्री के निपटान का पूरा और सत्यापन योग्य रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने की बात सामने आई। इन मामलों में पांच लाइसेंस निलंबित किए गए और संबंधित प्रकरणों में आपराधिक शिकायतें दर्ज की गईं। मामले की जांच जारी है।

दो शीतगृहों से 4.19 करोड़ रुपये का खाद्य भंडार जब्त

छत्रपति संभाजीनगर विभाग में एक ही दिन दो शीतगृहों पर कार्रवाई करते हुए करीब 1,97,480 किलोग्राम खाद्य सामग्री, जिसकी अनुमानित कीमत 4.19 करोड़ रुपये है, जब्त की गई। इसमें मिर्च पाउडर, किशमिश, गुड़ और पाश्चुरीकृत मक्खन शामिल हैं। दोनों शीतगृहों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। राज्यभर में घटिया गुणवत्ता, संभावित मिलावट और गलत लेबलिंग वाले करीब 3,74,762 किलोग्राम तथा 28,297 लीटर खाद्य पदार्थ जब्त या नष्ट किए गए। इनकी अनुमानित कीमत 9.11 करोड़ रुपये बताई गई है। इसमें खाद्य तेल, मसाले, दुग्ध उत्पाद, मिठाई, फरसाण, चाय, सूखे मेवे और अन्य खाद्य सामग्री शामिल हैं।

गुटखा और सुगंधित तंबाकू के खिलाफ कार्रवाई

प्रतिबंधित गुटखा, पान मसाला और सुगंधित तंबाकू के खिलाफ अभियान में वाहनों सहित करीब 3.15 करोड़ रुपये का माल जब्त किया गया। इस सिलसिले में 22 FIR दर्ज की गईं और 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पालघर जिले के मनोर में एक वाहन से करीब 1.30 करोड़ रुपये का प्रतिबंधित माल जब्त किया गया। वहीं, जालना जिले में एक अन्य वाहन से 53 लाख रुपये से अधिक मूल्य का माल बरामद किया गया।

अस्वच्छता और नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई

राज्यभर में निरीक्षण के दौरान अस्वच्छ रसोई और जल निकासी व्यवस्था, झींगुरों तथा चूहों का प्रकोप, शाकाहारी और मांसाहारी खाद्य पदार्थों को एक साथ रखने, अनधिकृत खाद्य रंगों के इस्तेमाल और खाद्य पदार्थों को संभालने वाले कर्मचारियों के पास आवश्यक चिकित्सा प्रमाणपत्र नहीं होने जैसी खामियां सामने आईं। इन उल्लंघनों के चलते 68 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस या पंजीकरण निलंबित किए गए। इसके अलावा सात प्रतिष्ठानों को कारोबार बंद करने के निर्देश दिए गए, जबकि चार प्रतिष्ठानों से खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 69 के तहत कुल 1.30 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया।

"खाद्य सुरक्षा से समझौता नहीं होगा": तुकाराम मुंढे

FDA आयुक्त तुकाराम मुंढे ने स्पष्ट किया कि खाद्य सुरक्षा के मामले में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि नष्ट करने के लिए निर्धारित खाद्य सामग्री का दोबारा बाजार में पहुंचना गंभीर मामला है। त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ने के कारण शीतगृहों, गोदामों, उत्पादन केंद्रों और खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच जारी रहेगी।

बांद्रा में 1.5 करोड़ रुपये की चरस जब्त 40 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। मुंबई क्राइम ब्रांच ने बांद्रा पश्चिम में कार्रवाई करते हुए 40 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर अपने घर से चरस बेचने का आरोप है। पुलिस ने 24 अक्टूबर को उसके घर पर छापेमारी के दौरान 1.505 किलोग्राम चरस जब्त की, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 1.5 करोड़ रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट-9 को गुप्त सूचना मिली थी कि बांद्रा पश्चिम में एक व्यक्ति अपने घर से नशीले पदार्थों की बिक्री कर रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर यूनिट-9 की टीम ने पंच गवाहों की मौजूदगी में संबंधित घर पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान पुलिस को 1.505 किलोग्राम चरस मिली। पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए नशीले पदार्थ को जब्त कर लिया और मामले में कार्रवाई शुरू की। इस मामले में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने 40 वर्षीय संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में एक अन्य आरोपी भी वांछित है, जिसकी तलाश की जा रही है। क्राइम ब्रांच फरार आरोपी का पता लगाने के साथ ही यह जांच कर रही है कि कथित ड्रग तस्करी के मामले में अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं।

चेंबूर में कोडीन कफ सिरप की तस्करी का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

एएनसी वरली यूनिट की कार्रवाई, 75 बोतलें बरामद, कीमत करीब 75 हजार रुपये

संवाददाता

मुंबई। शहर में नशीले पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने चेंबूर इलाके में कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। रविवार को आरोपी के पास से कोडीन युक्त कफ सिरप की 75 बोतलें बरामद की गईं, जिनकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 75 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, एंटी नारकोटिक्स सेल (एएनसी) की वरली यूनिट को मुंबई में नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री और भंडारण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान चेंबूर में एक व्यक्ति की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। टीम ने आरसी मार्ग पर वीएनपी और आरसी मार्ग जंक्शन मोनोरेल स्टेशन के नीचे उसे हिरासत में लेकर तलाशी ली। इस दौरान कफ सिरप की 75 बोतलें बरामद हुईं। पुलिस के मुताबिक, कोडीन युक्त कफ सिरप का नशे के लिए दुरुपयोग किए जाने की आशंका के चलते इसकी अवैध बिक्री और भंडारण के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती, संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) अनिल कुंभार और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) कृष्णकांत उपाध्याय के मार्गदर्शन में की गई। अभियान का नेतृत्व एएनसी की पुलिस उपायुक्त पौर्णिमा चौगुले-श्रृंगी, सहायक पुलिस आयुक्त सुधीर हिरडेकर और वरली यूनिट के प्रभारी पुलिस निरीक्षक संतोष सालुंखे ने किया। टीम में सहायक पुलिस निरीक्षक किरण वाघ सहित अन्य अधिकारी शामिल थे। मुंबई पुलिस ने कहा कि शहर में नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध वितरण के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

'डिजिटल अरेस्ट' का डर दिखाकर सेवानिवृत्त आयकर अधिकारी से 10 लाख रुपये की ठगी

खुद को पुलिस और आईपीएस अधिकारी बताकर पांच दिन तक वीडियो कॉल पर की पूछताछ, आरबीआई की फर्जी जांच के नाम पर ट्रांसफर कराए पैसे

संवाददाता

मुंबई। साइबर ठगों ने 57 वर्षीय सेवानिवृत्त वरिष्ठ आयकर अधिकारी को 'डिजिटल अरेस्ट' का डर दिखाकर कथित तौर पर 10 लाख रुपये की ठगी कर ली। नागपुर निवासी पीड़ित ने साइबर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, ठगों ने खुद को पुलिस और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के रूप में पेश किया और कई दिनों तक उन्हें मानसिक दबाव में रखकर पैसे ट्रांसफर करवाए। पुलिस अब उन बैंक खातों की जांच कर रही है, जिनमें ठगी की रकम भेजी गई थी।

मुंबई पुलिस मुख्यालय से फोन आने का किया दावा

पुलिस के मुताबिक, कथित धोखाधड़ी की शुरुआत 1 अक्टूबर को हुई, जब पीड़ित के पास एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले ने अपना नाम केशव जाधव बताया और दावा किया कि वह मुंबई पुलिस मुख्यालय से बात कर रहा है। आरोप है कि ठग ने पीड़ित को बताया कि उनके नाम पर पंजीकृत एक व्हाट्सएप अकाउंट का इस्तेमाल अवैध विज्ञापन प्रसारित करने के लिए किया जा रहा है। इसके बाद कॉल को उसके एक साथी के पास स्थानांतरित कर दिया गया, जिसने खुद को पुलिस जांच अधिकारी बताया।

आतंकी हमले से जोड़कर जेल भेजने की धमकी

शिकायत के अनुसार, ठगों ने दावा किया कि कश्मीर में सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाकर किए गए एक आतंकी हमले के घटनास्थल से पीड़ित के पहचान संबंधी दस्तावेज मिले हैं। इस कथित मामले की गंभीरता का हवाला देकर उन्हें तत्काल जेल भेजने की धमकी दी गई। इसके बाद पीड़ित को 'डिजिटल अरेस्ट' में होने का डर दिखाया गया। उन्हें एक होटल के कमरे में अकेले रहने और अपने मोबाइल फोन का वीडियो कैमरा लगातार चालू रखने का निर्देश दिया गया। ठगों ने कथित तौर पर कहा कि कैमरे के जरिए उनकी निगरानी की जाएगी।

पांच दिन तक वीडियो कॉल पर पूछताछ

पीड़ित के अनुसार, 2 से 6 अक्टूबर के बीच एक व्यक्ति ने खुद को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) का वरिष्ठ अधिकारी बताकर रोज वीडियो कॉल के माध्यम से उनसे पूछताछ की। ठगों ने दावा किया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आदेश पर उनके वित्तीय खातों की जांच की जा रही है। साथ ही, उनके बैंक खातों को करोड़ों रुपये की कथित मनी लॉन्ड्रिंग से जोड़ने का आरोप लगाया गया। लगातार धमकियों और दबाव के बीच पीड़ित ने अपनी 10 लाख रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) तुड़वा दी। आरोप है कि ठगों ने इसे आरबीआई की 'सिक्योरिटी क्लीयरेंस वेरिफिकेशन' प्रक्रिया का हिस्सा बताया।

कॉर्पोरेट खाते में आरटीजीएस से भेजे 10 लाख रुपये

शिकायत के मुताबिक, 8 अक्टूबर को पीड़ित ने अपने बैंक खाते से आरटीजीएस के जरिए एक कॉर्पोरेट खाते में 10 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद जब ठगों ने उनसे संपर्क करना बंद कर दिया, तब उन्हें अपने साथ धोखाधड़ी होने का एहसास हुआ। पीड़ित ने साइबर पुलिस से संपर्क कर कथित लेनदेन का विवरण दिया। पुलिस अब उस खाते और अन्य संभावित 'म्यूल अकाउंट्स' की जांच कर रही है, जिनका इस्तेमाल ठगी की रकम प्राप्त करने या आगे भेजने के लिए किया गया हो सकता है। जांच के जरिए रकम का पता लगाने और इस मामले में शामिल लोगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

राज ठाकरे ने हटाई मोदी-अडाणी पर बनी डॉक्यूमेंट्री, मुंबई पुलिस आयुक्त के अनुरोध का दिया हवाला

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उद्योगपति गौतम अडाणी पर बनी डॉक्यूमेंट्री अपने सोशल मीडिया अकाउंट से हटा दी है। उन्होंने रविवार को बताया कि मुंबई पुलिस आयुक्त के अनुरोध पर उन्होंने यह कदम उठाया। हालांकि, इस फैसले के बाद मनसे के नेताओं ने सवाल उठाए हैं कि आखिर पुलिस को राज ठाकरे से डॉक्यूमेंट्री हटाने का अनुरोध करने की जरूरत क्यों पड़ी। इस मामले ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और पुलिस की भूमिका को लेकर राजनीतिक बहस छेड़ दी है।

डॉक्यूमेंट्री को 48 लाख से ज्यादा बार देखा गया

राज ठाकरे ने बताया कि हॉटमेल के संस्थापक सबीर भाटिया द्वारा बनाई गई इस डॉक्यूमेंट्री को एक्स पर पोस्ट किए जाने के बाद 48 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका था। उनके मुताबिक, फिल्म का उद्देश्य लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गौतम अडाणी की पुरानी दोस्ती के बारे में जानकारी देना था। ठाकरे ने कहा कि वह जनवरी 2026 से ही इस मुद्दे को उठा रहे हैं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव से पहले भी उन्होंने अडाणी और प्रधानमंत्री मोदी के संबंधों पर सवाल उठाए थे। राज ठाकरे ने कहा कि मुंबई और महाराष्ट्र पुलिस देश की सबसे कुशल पुलिस बलों में शामिल हैं और वह हमेशा उनका सम्मान करते रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि मुंबई पुलिस आयुक्त के अनुरोध का सम्मान करते हुए उन्होंने डॉक्यूमेंट्री हटा दी है। ठाकरे के मुताबिक, सबीर भाटिया ने यह फिल्म हाल ही में बनाई है, लेकिन वह जनवरी 2026 में अपने आवास शिवतीर्थ पर इसी विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दे चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि उस प्रस्तुति में बताया गया था कि अडाणी समूह किस तरह पूरे देश में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

सबीर भाटिया की डॉक्यूमेंट्री पर पुलिस ने क्या कार्रवाई की थी?

मुंबई पुलिस ने 18 अक्टूबर को एक्स के 24 अकाउंट धारकों को कानूनी नोटिस जारी किए थे। ये नोटिस उन लोगों को भेजे गए थे, जिन्होंने सबीर भाटिया की विवादित डॉक्यूमेंट्री साझा की थी। नोटिस में आरोप लगाया गया था कि डॉक्यूमेंट्री में कंपनी के खिलाफ झूठे, भ्रामक और अपमानजनक बयान तथा आरोप लगाए गए हैं। पुलिस की ओर से जारी नोटिस के मुताबिक, इन आरोपों को तथ्यात्मक या कानूनी आधार के बिना फैलाया गया, जिससे कंपनी की प्रतिष्ठा, साख और सार्वजनिक छवि को लगातार नुकसान पहुंच रहा था। इन नोटिसों के कुछ दिनों बाद राज ठाकरे ने मुंबई पुलिस आयुक्त के अनुरोध का हवाला देते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट से डॉक्यूमेंट्री हटा दी।

महाराष्ट्र में वन भूमि के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा

इस बीच, राज ठाकरे ने महाराष्ट्र में वन भूमि के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र ने राज्य सरकार को भीमाशंकर में कई सौ हेक्टेयर वन भूमि गुजरात स्थित टोरेंट समूह को सौंपने का निर्देश दिया है। ठाकरे का आरोप है कि महाराष्ट्र सरकार चुनिंदा उद्योगपतियों को बड़े पैमाने पर वन और प्राकृतिक क्षेत्रों की जमीन दे रही है और आगे भी ऐसा करने की योजना है। हालांकि, ये आरोप राज ठाकरे ने लगाए हैं। मनसे के एक पदाधिकारी के मुताबिक, राज ठाकरे 28 अक्टूबर को कर्जत में एक रैली को संबोधित करेंगे। इस रैली में वह वन भूमि के मुद्दे को उठा सकते हैं।

अवैध निर्माणों से वसूली में व्यस्त बीएमसी एच/पश्चिम का कनिष्ठ अभियंता आकाश पाटील!

संवाददाता

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) आयुक्त अश्विनी भिड़े के सख्त आदेशों के बावजूद बीएमसी एच/पश्चिम के सहायक आयुक्त दिनेश पल्लेवाड व भ्रष्टाचार में लिप्त पदनिर्देशित अधिकारी नमन करानिया और कनिष्ठ अभियंता आकाश पाटील अवैध निर्माणों पर कार्रवाई करने के बजाय मोटी वसूली कर संरक्षण दे रहे हैं, जिससे बीएमसी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार बीएमसी एच/पश्चिम विभाग के बांद्रा पश्चिम स्थित 14वें और 33वें रोड जंक्शन, लिंकिंग रोड के पास समरविले बिल्डिंग में एनएम मेडिकल सेंटर के नीचे का मामला है। इमारत के भूतल पर स्थित करीब 1,500 वर्गफीट खुली जगह पर अतिक्रमण कर निर्माण नियमों का उल्लंघन किया गया है। सूत्रों का दावा है कि बीएमसी एच/पश्चिम के इमारत व कारखाना विभाग के कनिष्ठ अभियंता आकाश पाटील ने अवैध निर्माणों को संरक्षण देने के लिए मोटी वसूली की है और वसूली की रकम का उच्च अधिकारियों में बंदरबांट किया है। यही नहीं, कनिष्ठ अभियंता आकाश पाटील के कार्यक्षेत्र में कई अवैध निर्माण हुए हैं, जिन पर कार्रवाई करने के बजाय सिर्फ वसूली हुई है। कार्रवाई वहीं हुई, जहां वसूली नहीं हुई। यही नहीं, कार्रवाई के बाद पुनः अवैध निर्माण करवाने का काम कनिष्ठ अभियंता आकाश पाटील ने किया है, जो जांच का विषय है। बता दें कि इस पूरे मामले में दैनिक स्वर्णिम प्रदेश को 10 दिन पहले बीएमसी एच/पश्चिम विभाग के सहायक आयुक्त दिनेश पल्लेवाड ने कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक कार्रवाई होती दिखाई नहीं दे रही है।

रायगढ़ में SUV से दो राइफलें और 104 जिंदा कारतूस बरामद, चेंबूर के दो लोग गिरफ्तार

टक्का आदिवासी वाडी के पास जंगल में पुलिस की कार्रवाई, मांस काटने के उपकरण और स्कॉर्पियो समेत 5.32 लाख रुपये से अधिक का सामान जब्त

संवाददाता

मुंबई। रायगढ़ जिले में टक्का आदिवासी वाडी के पास जंगल के रास्ते पर गश्त कर रही मुरुड पुलिस ने शनिवार रात एक महिंद्रा स्कॉर्पियो से दो राइफलें, 104 जिंदा कारतूस और जानवरों का मांस काटने के उपकरण बरामद किए। इस मामले में मुंबई के चेंबूर निवासी दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को आशंका है कि आरोपी जंगली जानवरों के शिकार की योजना बना रहे थे। हालांकि, उनके वास्तविक उद्देश्य का पता लगाने के लिए जांच जारी है। पुलिस ने एक आईओएफ निर्मित बोल्ट-एक्शन सिंगल-बैरल .30-06 राइफल, एक 'रोबस्ट' डबल-बैरल 12-बोर राइफल, 104 जिंदा कारतूस, मांस काटने के औजार और महिंद्रा स्कॉर्पियो (रजिस्ट्रेशन नंबर MH04HF8769) जब्त की है। जब्त सामान की कुल कीमत लगभग 5,32,810 रुपये आंकी गई है।

संदिग्ध हालत में दिखी स्कॉर्पियो, तलाशी में मिली राइफल

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई 24 अक्टूबर की रात करीब 8.35 बजे हुई। मुरुड पुलिस की एक टीम निजी वाहन से टक्का आदिवासी वाडी के पास जंगल के रास्ते पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिसकर्मियों ने सामने से आती एक सफेद स्कॉर्पियो को संदिग्ध स्थिति में देखा और जांच के लिए रोक लिया। वाहन की जांच के दौरान बीच वाली सीट पर बैठे एक युवक के हाथ में राइफल दिखाई दी। इसके बाद पुलिस ने पूरी गाड़ी की तलाशी ली, जिसमें दूसरी राइफल, 104 जिंदा कारतूस और जानवरों का मांस काटने के उपकरण मिले।

चेंबूर निवासी दो आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने वाहन चालक क्रेसेंट लुकास डी'मेलो (59) और ग्रैफिल क्रेसेंट डी'मेलो (23) को गिरफ्तार किया है। दोनों मुंबई के चेंबूर के निवासी बताए गए हैं। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, दोनों जंगल के रास्ते से गुजरते समय अपने साथ दो राइफलें, बड़ी संख्या में जिंदा कारतूस और मांस काटने के उपकरण ले जा रहे थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि वे इन हथियारों और उपकरणों को किस उद्देश्य से ले जा रहे थे तथा क्या उनका संबंध वन्यजीवों के अवैध शिकार से है।

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज

मुरुड पुलिस ने वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 9 और 51 के तहत मामला दर्ज किया है। धारा 9 शिकार पर प्रतिबंध से संबंधित है, जबकि धारा 51 अधिनियम के उल्लंघन पर दंड का प्रावधान करती है। पुलिस ने जब्त सामान का पंचनामा दो गवाहों की मौजूदगी में तैयार किया। मामले की आगे की जांच जारी है। यह अभियान रायगढ़ की पुलिस अधीक्षक अंचल दलाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिजीत शिवथारे और पेन के उपविभागीय पुलिस अधिकारी जालंधर नलकुल के मार्गदर्शन में चलाया गया।

स्वर्णिम प्रदेश

Pinarayi attacks former Governor's move to remove PSC chairman

KERALAM: Opposition leader Pinarayi Vijayan has criticised former Governor Rajendra Arlekar's recommendation: to remove the Kerala Public Service Commission chairman, describing the move as illegal, unconstitutional and a serious abuse of authority. In a Facebook post, Vijayan alleged that Arlekar had submitted the recommendation before leaving office, continuing what he described as a series of unlawful interventions in the state's affairs during his tenure. Vijayan demanded that the UDF government clarify its position on the recommendation and explain whether it supported the former Governor's action against the constitutional recruitment body. Referring to constitutional provisions, he said appointments to public service commissions were governed by Article 316. He also pointed out that no proceedings against members of the Kerala PSC had taken place before the Supreme Court. Invoking Article 163, Vijayan argued that the Governor was required to act in accordance with the aid and advice of the Council of Ministers. He maintained that the recommendation violated constitutional safeguards and exceeded the authority of the gubernatorial office. The opposition leader said Kerala had no tradition of targeting the PSC out of political vendetta and cautioned the government against using the recommendation to pursue partisan objectives. 'Does the UDF government support unconstitutional positions adopted by Governors?' he asked, demanding an unequivocal response from the administration. He also questioned whether the government intended to use the former Governor's recommendation as a pretext to dissolve the existing commission because of political bias or preconceived notions.

Alternatively, Vijayan asked, was the government prepared to condemn the action and reject the position taken by Arlekar? Defending the commission's functioning, he described the Kerala PSC as an institution that had handled and completed recruitment to government posts commendably. His remarks placed the government's response to the recommendation at the centre of his criticism, alongside questions about gubernatorial authority.

Suspected Heroin Seized from Two Police Personnel in Itanagar

ITANAGAR: Two police personnel in Arunachal Pradesh were apprehended after approximately 11 grams of suspected heroin were allegedly recovered from their possession during a search at a rented residence in Jul Lang, Itanagar, Capital Police said on Sunday. According to an official press statement, the operation was conducted on October 24 following specific intelligence inputs. The police team was led by Itanagar SDPO Chera Saban under the supervision of Capital SP Jummar Basar. The search was carried out after obtaining written authorisation from the competent authority and in the presence of Town Magistrate Mary Tanyang. The two personnel were identified as Constable Monnong Tangku of Arunachal Pradesh Police (Civil) and Constable Jabdang Khabisow of the India Reserve Battalion (IRBn). Police said approximately six grams of suspected heroin were recovered from Tangku and five grams from Khabisow. Their mobile phones were also seized. The search and seizure proceedings were conducted in the presence of an Executive Magistrate and an independent witness and documented through the e-Sakshya application.

A case was registered at Itanagar Police Station under Case No. 345/2026 under Sections 21(a), 27A and 29 of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances (NDPS) Act. Further investigation is underway to trace the source of the suspected contraband, identify possible links and ascertain whether others were involved. Capital Police reiterated its zero-tolerance policy towards drug-related offences, asserting that action would be taken irrespective of the rank or status of those involved.

LG Saxena Announces Ladakh's Historic Organic Farming Milestone

LEH: In a historic milestone for sustainable agriculture and environmental conservation, Lieutenant Governor Vinai Kumar Saxena has declared the Union Territory of Ladakh India's first 100% Organic Union Territory, recognising its farmers' dedication and the Administration's sustained efforts to promote chemical-free farming. The achievement marks a significant step towards protecting Ladakh's fragile Himalayan ecosystem, improving soil and water health, enhancing farmers' incomes and ensuring a healthier future for generations to come. Building on its traditional farming practices and unique agro-ecological conditions, Ladakh is positioning itself as a model for sustainable high-altitude agriculture.

The development also reinforces Prime Minister Narendra Modi's vision of promoting natural farming, environmental conservation, improving soil health and climate-resilient agriculture.

Congratulating the farmers and all stakeholders, the Lieutenant Governor said, 'This is a moment of immense pride for Ladakh and the entire nation. Our farmers have demonstrated that environmentally responsible agriculture can flourish even in the most challenging geographical conditions. Becoming a fully organic Union Territory is not merely a milestone; it is a commitment to protecting our fragile Himalayan ecosystem, preserving our traditional farming practices and ensuring better livelihoods for our farmers.' Notably, in a major policy intervention in July 2026, the Lieutenant Governor has ordered a complete prohibition on the procurement, distribution, sale, marketing and use of chemical and synthetic fertilisers for agricultural practices across Ladakh. The move is aimed at safeguarding organic certification, protecting soil and water resources and strengthening the long-term sustainability of the agricultural sector. The Administration has also taken steps to support farmers during the transition. In March 2026, consignments of organic fertiliser were flagged off for distribution among farmers across villages of Ladakh to ensure timely availability before the sowing season. The organic transition is expected to create new opportunities for Ladakh's farmers by improving the value of locally grown organic produce, including apricots, sea buckthorn, buckwheat, barley and vegetables. Organic certification, better post-harvest management, value addition, branding and stronger market linkages can help farmers access consumers who increasingly seek authentic, traceable and organically produced food. The Lieutenant Governor emphasised that the achievement must translate into tangible benefits for the farming community. 'Our goal is to ensure that the organic status of Ladakh brings real value to our farmers through better market access, improved price realisation and sustainable livelihoods.

आग्रा येथे 27 आणि 28 ऑक्टोबरला राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरणावर मंथन

आग्रा: राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरणानुसार शिक्षकांचे व्यावसायिक मानदंड, अध्यापन क्षमता आणि शालेय शिक्षण व्यवस्था अधिक सक्षम करण्याच्या उद्देशाने आग्रा येथे २७ आणि २८ ऑक्टोबर रोजी दोन दिवसीय राष्ट्रीय संमेलन आयोजित करण्यात येणार आहे. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षण परिषद (एनसीटीई) यांच्या वतीने होणाऱ्या या संमेलनात विविध राज्ये आणि केंद्रशासित प्रदेशांतील सुमारे ३०० शिक्षक, प्राचार्य आणि शिक्षण क्षेत्रातील प्रतिनिधी सहभागी होणार आहेत. संमेलनाचे संयोजक प्राध्यापक मनु प्रताप सिंह यांनी रविवारी सांगितले की, आग्रा विद्यापीठाच्या खंदारी परिसरातील शिवाजी मंडपम येथे या कार्यक्रमाचे आयोजन करण्यात येणार आहे. उत्तर प्रदेशच्या राज्यपाल आनंदीबेन पटेल या संमेलनाला प्रमुख पाहुण्या म्हणून उपस्थित राहणार आहेत. राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरणातील तरतुदींनुसार शिक्षक शिक्षणाचा दर्जा सुधारणे, शिक्षकांचा व्यावसायिक विकास घडवणे आणि शाळांमध्ये प्रभावी अध्यापन व्यवस्था विकसित करणे, या उद्देशाने विविध मुद्द्यांवर विचारमंथन करणे हे संमेलनाचे मुख्य उद्दिष्ट असल्याचे प्राध्यापक सिंह यांनी सांगितले. संमेलनाच्या पहिल्या दिवशी, २७ ऑक्टोबर रोजी, एनसीटीईचे अध्यक्ष प्राध्यापक पंकज अरोरा सहभागी प्रतिनिधींशी संवाद साधतील. यावेळी शिक्षक शिक्षणाशी संबंधित विविध विषयांवर तज्ज्ञ आपले विचार मांडण्यासाठी चार तांत्रिक सत्रे आयोजित करण्यात येणार आहेत. या सत्रांमध्ये शैक्षणिक डिजिटल पोर्टल आणि पुस्तिकेचे सादरीकरणही केले जाईल. अध्यापन व्यवस्थेत सुधारणा करण्यासाठी तसेच आधुनिक तंत्रज्ञानाच्या वापरासंबंधी आवश्यक माहिती सहभागी प्रतिनिधींना दिली जाणार आहे. संमेलनाच्या दुसऱ्या दिवशी, २८ ऑक्टोबर रोजी, राष्ट्रीय मार्गदर्शन अभियानावर (एनएमएम) विशेष सत्र आयोजित करण्यात येणार आहे.

भाजपची खरी ताकद बूथ स्तरावरील कार्यकर्ते, तेच संघटनेचे मालक : नितीन नवीन

रांची: भारतीय जनता पक्षाचे (भाजप) राष्ट्रीय अध्यक्ष नितीन नवीन यांनी रविवारी सांगितले की, बूथ स्तरावरील कार्यकर्ते हीच पक्षाची सर्वात मोठी ताकद असून तेच संघटनेचे खरे मालक आहेत. समर्पित कार्यकर्ते पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांचे विचार, संदेश आणि जनकल्याणकारी योजना समाजातील शेवटच्या घटकापर्यंत पोहोचवतात. भाजपची खरी शक्ती कार्यकर्त्यांच्या समर्पणात आणि परिश्रमात आहे. कांके विधानसभा मतदारसंघातील सुकुरहुटू येथील बिरसा मंडप आखाडा परिसरात बूथ क्रमांक २४९ वर भाजप कार्यकर्ते आणि ग्रामस्थांसोबत पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांच्या 'मन की बात' या मासिक रेडिओ कार्यक्रमाच्या १३९व्या भागाचे सामूहिक श्रवण केल्यानंतर उपस्थितांना संबोधित करताना नितीन नवीन यांनी हे वक्तव्य केले. यावेळी त्यांनी भगवान बिरसा मुंडा यांच्या पुतळ्याला पुष्पहार अर्पण करून श्रद्धांजली वाहिली. त्यानंतर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियानांतर्गत रुद्राक्षाचे रोप लावून पर्यावरण संवर्धनाचा संदेश दिला. कार्यक्रमानंतर त्यांनी उपस्थित महिला, कार्यकर्ते आणि ग्रामस्थांशी संवादही साधला. कार्यक्रमादरम्यान नितीन नवीन यांनी संघटनेतील बूथ स्तरावरील कार्यकर्त्यांचे महत्त्व अधोरेखित करण्यासाठी एक विशेष उपक्रम राबवला. त्यांनी कार्यक्रमस्थळी मागे उभे असलेले बूथ अध्यक्ष आकाश कुमार आणि मंडळ अध्यक्ष प्रभात कुमार यांना जवळ बोलावून स्वतःच्या शेजारी उभे केले. बूथ अध्यक्षांना आपले मालक संबोधून त्यांनी कार्यकर्त्यांप्रती आदर व्यक्त केला. ते म्हणाले की, बूथ स्तरावर काम करणारे कार्यकर्ते हे संघटनेचा पाया आहेत. त्यांच्या परिश्रमामुळे आणि समर्पणामुळे पक्षाची धोरणे व सरकारच्या जनकल्याणकारी योजना सामान्य जनतेपर्यंत पोहोचतात. नितीन नवीन यांनी सांगितले की, ते रांची येथे आयोजित एका कार्यक्रमात सहभागी होण्यासाठी आले होते. याचदरम्यान कांके विधानसभा क्षेत्रातील सामान्य नागरिक आणि कार्यकर्त्यांसोबत 'मन की बात' ऐकण्याची संधी त्यांना मिळाली. उपस्थितांचे अभिनंदन करून त्यांनी सर्वांचे आभार मानले. भाजपच्या राष्ट्रीय अध्यक्षांनी पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांच्या महत्त्वाकांक्षी 'लखपती दीदी' योजनेचा उल्लेख करत महिलांच्या आर्थिक सक्षमीकरणावर भर दिला. पंतप्रधान महिलांना आत्मनिर्भर बनवण्यासाठी मिशन मोडमध्ये काम करत असल्याचे त्यांनी सांगितले. तीन कोटी लखपती दीदी तयार करण्याचे उद्दिष्ट साध्य झाले असून, आता या अभियानाचा विस्तार करून अधिकाधिक महिलांना आर्थिकदृष्ट्या सक्षम बनवायचे आहे. नितीन नवीन म्हणाले की, माता आणि भगिनी आर्थिकदृष्ट्या सक्षम झाल्या, तर त्याचा लाभ केवळ एका कुटुंबापुरता मर्यादित राहत नाही, तर दोन कुटुंबांना आधार मिळतो.

स्वदेशी हा केवळ आर्थिक विषय नाही, तर राष्ट्राच्या सार्वभौमत्वाचे आणि सुरक्षेचे संरक्षण कवच : डॉ. राजेश सेठी

भोपाळ: मध्य भारत प्रांताचे सहसंघचालक डॉ. राजेश सेठी यांनी सांगितले की, स्वदेशी हा केवळ आर्थिक आत्मनिर्भरतेचा विषय नसून तो देशाच्या सार्वभौमत्वाशी आणि सुरक्षेशीही संबंधित आहे. परदेशी कंपन्यांच्या प्रभावापासून देशाचे संरक्षण करणारे स्वदेशी हे एक सुरक्षा कवच आहे. शनिवारी उशिरा सायंकाळी भोपाळ येथील शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालयाच्या परिसरात आयोजित स्वदेशी मेळ्याच्या उद्घाटन समारंभात प्रमुख पाहुणे म्हणून बोलताना डॉ. सेठी यांनी हे वक्तव्य केले. स्वदेशी जागरण मंच आणि स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन यांच्या समन्वयातून आयोजित या १२ दिवसीय मेळ्याचे उद्घाटन उत्साहपूर्ण वातावरणात आणि सांस्कृतिक कार्यक्रमांच्या सादरीकरणासह झाले. डॉ. सेठी म्हणाले की, भारताला आर्थिकदृष्ट्या आत्मनिर्भर होण्यासाठी आपली उत्पादन क्षमता वाढवावी लागेल. ब्रिटिश राजवटीचे उदाहरण देताना त्यांनी सांगितले की, भारतातून कापूस नेऊन येथे महागड्या कापडाची विक्री केली जात होती. स्वातंत्र्यानंतरही परदेशी कंपन्या आणि तंत्रज्ञानावरील अवलंबित्व आर्थिक स्वातंत्र्यासमोर आव्हान निर्माण करत आहे. महात्मा गांधी यांच्या स्वदेशी आंदोलनाचा आणि मिठाच्या सत्याग्रहाचा उल्लेख करत त्यांनी देशात उत्पादित होणाऱ्या वस्तू स्वीकारण्यावर भर दिला. समाजाने स्वदेशीची भावना आत्मसात करावी आणि पुढील वर्षी यापेक्षाही मोठ्या मेळ्याचे आयोजन करण्याचा संकल्प करावा, असे आवाहन त्यांनी केले. समारंभाचे विशेष अतिथी आणि भोपाळच्या दक्षिण-पश्चिम विधानसभा मतदारसंघाचे आमदार भगवानदास सबनानी म्हणाले की, स्वदेशी जागरण मंच दीर्घकाळापासून स्वदेशी उत्पादनांच्या वापराला प्रोत्साहन देत आहे.

इराणचा अमेरिकेला इशारा: 'फारसच्या आखातात परतण्याचे स्वप्नच पाहू शकते वॉशिंग्टन'

तेहरान: इराण आणि अमेरिका यांच्यातील लष्करी तणाव पुन्हा एकदा वाढताना दिसत आहे. इराणच्या सशस्त्र दलांचे जनरल स्टाफ प्रमुख मेजर जनरल अली अब्दुल्लाही यांनी अमेरिकेला इशारा देताना म्हटले आहे की, वॉशिंग्टन केवळ फारसच्या आखातात पुन्हा लष्करी उपस्थिती प्रस्थापित करण्याचे स्वप्न पाहू शकते. या सामरिक क्षेत्रात अमेरिकन नौदलाला प्रवेश करण्यापासून रोखण्यासाठी इराणी सैन्य सज्ज असल्याचा दावाही त्यांनी केला. इराण सरकारच्या सरकारी वृत्तानुसार, अब्दुल्लाही यांनी अमेरिकेचे राष्ट्राध्यक्ष डोनाल्ड ट्रम्प यांच्या विधानांवर प्रश्नचिन्ह उपस्थित केले. अमेरिकेच्या लष्करी सामर्थ्याबाबत केले जाणारे दावे आणि इराणच्या क्षमतेविषयीचे अमेरिकेचे आकलन यांत विसंगती असल्याचे त्यांनी म्हटले. मात्र, अमेरिकन नौदलाची क्षमता आणि या क्षेत्रातील त्याच्या उपस्थितीबाबत इराणी लष्करी अधिकाऱ्यांनी केलेल्या दाव्यांची स्वतंत्रपणे पडताळणी होणे आवश्यक आहे.इराणच्या लष्करी प्रमुखांनी सांगितले की, कोणत्याही परिस्थितीत अमेरिकेच्या लष्करी जहाजांना फारसच्या आखातात प्रवेश करू दिला जाणार नाही. इराणच्या लष्करी कारवाईमुळे अमेरिकन नौदलाच्या क्षमतेला मोठे नुकसान झाल्याचा दावाही त्यांनी केला. अब्दुल्लाही म्हणाले की, अमेरिकेचे राष्ट्राध्यक्ष आपल्या सैन्याची आणि युद्धनौकांची या क्षेत्रात पुन्हा वापसी होण्याची केवळ कल्पनाच करू शकतात. त्यांच्या विधानावरून तेहरानचा फारसच्या आखातात आणि आसपासच्या सागरी क्षेत्रांमध्ये अमेरिकेच्या लष्करी उपस्थितीला विरोध कायम ठेवण्याचा इरादा असल्याचे संकेत मिळतात. इराणच्या अणुसुविधा नष्ट केल्याचा दावा अमेरिकेचे राष्ट्राध्यक्ष ट्रम्प यांनी केला होता. त्यांच्या या विधानांवरही अब्दुल्लाही यांनी प्रश्न उपस्थित केले. इराणच्या लष्करी अधिकाऱ्यांनी प्रश्न केला की, अणुकेंद्रे पूर्णपणे नष्ट झाली असतील, तर अमेरिकन प्रशासन हा मुद्दा वारंवार का उपस्थित करत आहे? अशा विधानांचा उद्देश अमेरिकेतील आणि आंतरराष्ट्रीय जनतेवर प्रभाव पाडणे हा असल्याचा आरोप त्यांनी केला. इराणने अण्वस्त्रे विकसित करू नयेत, यावर अमेरिका दीर्घकाळापासून भर देत आली आहे. दुसरीकडे, आपल्या अणुकार्यक्रमाबाबत करण्यात येणारे अनेक आरोप तेहरानने फेटाळले आहेत. फारसच्या आखातातून अरबी समुद्राकडे जाणारी होर्मुझची सामुद्रधुनी हा जगातील सर्वात महत्त्वाच्या सागरी ऊर्जा मार्गांपैकी एक आहे. या मार्गावरून मोठ्या प्रमाणात जागतिक तेल आणि नैसर्गिक वायूची वाहतूक होते. या क्षेत्रात लष्करी संघर्ष झाल्यास किंवा जहाजांच्या वाहतुकीत अडथळे निर्माण झाल्यास त्याचा परिणाम आंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारावर होऊ शकतो.

'रामायण 2' 2028 तक के लिए टली

रणबीर कपूर और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म 'रामायण' के पहले भाग की रिलीज से पहले ही इसके दूसरे भाग को लेकर नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण 2' की रिलीज को 2027 की दिवाली से आगे बढ़ाकर 2028 तक टाला जा सकता है।

फिल्म के निर्माता नमित मल्होत्रा दूसरे भाग के निर्माण के लिए अतिरिक्त समय देना चाहते हैं, ताकि दर्शकों को बड़े पर्दे पर भव्य सिनेमाई अनुभव मिल सके। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक रिलीज में बदलाव को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि नमित मल्होत्रा के लिए 'रामायण' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ी परियोजना है। निर्माता इसे वैश्विक स्तर पर खास पहचान दिलाने के लिए हर पहलू पर ध्यान दे रहे हैं। जहां पहले भाग की रिलीज नजदीक है, वहीं दूसरे भाग की शूटिंग और निर्माण के लिए अभी और समय की जरूरत है। बताया जा रहा है कि फिल्म के एक्शन दृश्यों को तैयार करने में अनुमान से अधिक समय लग रहा है। निर्माता कुछ नए और बड़े एक्शन सीक्वेंस शामिल करना चाहते हैं, जिसके चलते दूसरे भाग का दायरा और भव्य बनाने पर काम किया जा रहा है।

नमित मल्होत्रा 'रामायण' के जरिए भारतीय महाकाव्य को वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाना चाहते हैं। इसी उद्देश्य से दूसरे भाग के निर्माण में जल्दबाजी करने के बजाय गुणवत्ता और भव्यता पर जोर दिया जा रहा है। फिल्म की नई रिलीज तारीख का ऐलान कब होगा, इसे लेकर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है। दर्शकों को अब निर्माताओं की आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

प्रभास की 'फौजी' का टीजर आया सामने

अभिनेता प्रभास के आगामी फिल्म 'फौजी' का टीजर जारी कर प्रशंसकों को खास तोहफा दिया गया। 'फाइल नंबर 25' शीर्षक से जारी इस वीडियो में प्रभास दूसरे विश्व युद्ध के दौर में ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ने वाले एक निडर योद्धा के रूप में नजर आ रहे हैं। प्रभास के दमदार अंदाज और आक्रामक तेवरों ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। टीजर में अभिनेता का एक्शन अवतार देखने को मिलता है, जिसमें वह अंग्रेजों को चुनौती देते दिखाई देते हैं।

टीजर में स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस और जर्मन तानाशाह एडोल्फ हिटलर की मुलाकात का दृश्य भी दिखाया गया है। इसमें भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराने से जुड़ी बातचीत की झलक मिलती है। कहानी में एक ऐसे विद्रोही योद्धा को दिखाया गया है, जो ब्रिटिश साम्राज्य के लिए चुनौती बनकर उभरता है। प्रभास अपने दमदार संवाद में अंग्रेजों को ललकारते हुए कहते हैं, अरे ओ फिरंगी, मैं तेरा खून लूंगा और आजादी भी। इस संवाद और उनके आक्रामक अंदाज ने टीजर को खास बना दिया है।

हनु राघवपुडी के निर्देशन में बन रही 'फौजी' एक पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसकी रिलीज 19 मार्च, 2027 को प्रस्तावित है। प्रभास के जन्मदिन पर उनकी एक अन्य बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कल्कि 2898 एडी 2' के निर्माताओं ने भी विशेष वीडियो शेयर किया।

इसमें अभिनेता सीक्वल के सेट पर नजर आए, जहां निर्देशक नाग अश्विन उन्हें एक दृश्य के लिए निर्देश देते दिखाई दिए। जन्मदिन के मौके पर दोनों फिल्मों की झलक मिलने से प्रभास के प्रशंसकों का उत्साह बढ़ गया है।

माइक्रोड्रामा में दिखेगा बाबासाहेब आंबेडकर के संघर्ष से सफलता तक का सफर

भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव आंबेडकर के जीवन की कहानी अब एक नए अंदाज में पर्दे पर उतरने जा रही है। माइक्रोड्रामा मंच कुकू टीवी ने उनके जीवन पर आधारित ऐतिहासिक सीरीज 'बाबासाहेब' पेश की है।

यह माइक्रोड्रामा डॉ. आंबेडकर के जीवन के उस दौर पर केंद्रित है, जब बालक भीमराव जातिगत भेदभाव, सामाजिक असमानता और आर्थिक कठिनाइयों के बीच शिक्षा हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। राष्ट्रीय नेता और संविधान निर्माता के रूप में पहचान बनाने से पहले उनके जीवन में आए अनुभवों को इसमें प्रमुखता दी गई है।

डॉ. आंबेडकर की आत्मकथात्मक रचना 'वेटिंग फॉर ए वीजा' से प्रेरित यह सीरीज ऐतिहासिक घटनाओं को

आधार बनाकर उनके संघर्ष और विचारों के विकास को सामने लाने का प्रयास करती है।

'बाबासाहेब' में शिक्षा को बदलाव की सबसे बड़ी ताकत के रूप में दिखाया गया है। सामाजिक बंधनों और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद भीमराव की ज्ञान हासिल करने की जिद उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। वर्ष 1913 में उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका जाने का उनका सफर इस कहानी का अहम पड़ाव है। सीरीज में उनके जीवन के अलग-अलग चरणों को पांच कलाकारों ने निभाया है।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्मकार जयंत सोमलकर भी इस प्रस्तुति का हिस्सा हैं। फिल्म 'कोर्ट' से पहचान बनाने वाले शिरीष पवार ने रामजी सकपाल, जबकि राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की पूर्व छात्रा स्नेहलता तागड़े ने जीजाबाई सकपाल की भूमिका निभाई है। अनुभवी अभिनेता राजेश भोसले शिक्षाविद् कृष्णाजी केशव केलुस्कर के किरदार में नजर आते हैं। सीरीज के रचनात्मक निर्माता सच्चित पुराणिक भी इसमें अतिथि भूमिका निभा रहे हैं। कलाकारों ने कबीर के दोहों और एक लोकगीत को अपनी आवाज भी दी है।

इस माइक्रोड्रामा की खासियत इसका आधुनिक प्रस्तुति अंदाज है। इसमें वास्तविक कलाकारों के अभिनय के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से तैयार किए गए परिवेश और दृश्य शामिल किए गए हैं, ताकि उस दौर की परिस्थितियों को पर्दे पर जीवंत किया जा सके। तकनीक के इस्तेमाल के बावजूद कहानी के केंद्र में मानवीय संघर्ष और कलाकारों का अभिनय रखा गया है।

मजबूत और चमकदार बालों के लिए 5 प्राकृतिक हेयर मास्क

आज के दौर में बढ़ता प्रदूषण, मानसिक तनाव, अनियमित दिनचर्या और खान-पान में लापरवाही हमारी सेहत के साथ-साथ बालों पर भी बुरा असर डाल रही है। यही वजह है कि कम उम्र में ही बालों का झड़ना, रूखापन, दोमुंहे बाल और जड़ों का कमजोर होना जैसी समस्याएं आम होती जा रही हैं। धूल-मिट्टी, तेज धूप और बालों पर बार-बार केमिकल युक्त उत्पादों का इस्तेमाल भी उनकी प्राकृतिक चमक और मजबूती को कम कर सकता है। ऐसे में बालों की सही देखभाल करना और उनकी जरूरतों के अनुसार प्राकृतिक उपाय अपनाना बेहद जरूरी हो जाता है। अक्सर लोग बालों की इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए महंगे सैलून ट्रीटमेंट, हेयर स्पा और बाजार में मिलने वाले कई तरह के उत्पादों का सहारा लेते हैं। हालांकि, हर उत्पाद हर व्यक्ति के बालों के लिए एक जैसा असरदार नहीं होता। कई बार गलत उत्पादों का इस्तेमाल करने से बाल और ज्यादा रूखे या कमजोर महसूस हो सकते हैं। ऐसे में घरेलू नुस्खे बालों की नियमित देखभाल का एक आसान और किफायती विकल्प हो सकते हैं। आपकी रसोई में मौजूद एलोवेरा, नारियल तेल, दही, मेथी दाना, केला और शहद जैसी चीजों का इस्तेमाल बालों को नमी देने

और उन्हें मुलायम बनाने के लिए किया जा सकता है। हालांकि, इन घरेलू उपायों से बाल झड़ने की हर समस्या का समाधान होने की गारंटी नहीं है। आइए जानते हैं 5 ऐसे प्राकृतिक हेयर मास्क के बारे में, जिन्हें आप घर पर आसानी से तैयार कर सकते हैं और अपनी जरूरत के अनुसार बालों की देखभाल में शामिल कर सकते हैं।

एलोवेरा और नारियल तेलः एलोवेरा में मौजूद 'प्रोटीयोलाइटिक एंजाइम' स्कैल्प की डेड स्किन सेल्स को हटाकर उसे स्वस्थ बनाते हैं। जब इसे नारियल तेल के साथ मिलाया जाता है, तो यह बालों को गहराई से मॉइस्चराइज करता है और टूटना कम करता है।

अंडा और दहीः हमारे बाल केराटिन से बने होते हैं। अंडे का प्रोटीन और दही की कंडीशनिंग प्रॉपर्टीज मिलकर बालों को रिपेयर करती हैं।

- **विधि** – एक अंडा और आधा कप दही फेंटकर जड़ों में लगाएं।
- **सावधानी** – इसे धोने के लिए हमेशा ठंडे पानी का इस्तेमाल करें, ताकि अंडे की महक न रहे और वह बालों में चिपके नहीं।

प्याज का रस और शहदः प्याज के रस में मौजूद सल्फर नए बालों को उगाने और ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाने में मदद करता है। शहद बालों की नमी को लॉक करता है।

- **टिप** – कॉटन (रुई) की मदद से इसे सिर्फ स्कैल्प पर लगाएं और 20-30 मिनट बाद माइल्ड शैम्पू से धो लें।

मेथी दाना और सरसों तेलः मेथी में निकोटिनिक एसिड होता है जो बालों के फॉलिकल्स को अंदर से मजबूत करता है। सरसों का तेल स्कैल्प को गर्माहट और मजबूती देता है।

- **प्रयोग** – रात भर भीगी हुई मेथी का पेस्ट बनाकर उसमें सरसों तेल मिलाएं और 1 घंटे के लिए लगाएं।

केला और जैतून तेलः अगर आपके बाल दोमुंहे और बेजान हैं, तो पके हुए केले और जैतून के तेल का मिश्रण सबसे बेहतर है। यह बालों की 'इलास्टिसिटी' बढ़ाता है जिससे बाल बीच में से नहीं टूटते।

नोट – किसी भी घरेलू नुस्खे को आजमाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें। बेहतरीन परिणामों के लिए इनमें से किसी भी मास्क का इस्तेमाल हफ्ते में एक बार जरूर करें।

हर माता-पिता को समझनी चाहिए बच्चों के मन की ये 5 अनकही बातें

भागदौड़ भरी इस दुनिया में जहां सफलता का पैमाना सिर्फ 'ग्रेड्स' और 'रैंक' बनकर रह गया है, वहां हमारे बच्चे एक अनजाने दबाव में जी रहे हैं। स्कूल का बस्ता तो भारी है ही, लेकिन उससे कहीं ज्यादा भारी वह उम्मीदें हैं जो समाज और परिवार उन पर लाद देते हैं। अक्सर बच्चे अपने कमरे के बंद दरवाजे के पीछे बहुत कुछ कहना चाहते हैं, लेकिन डर और झिझक के कारण खामोश रह जाते हैं। अगर आप एक अभिभावक हैं, तो अपने बच्चे के मन की इन 5 अनकही परतों को समझना आपके लिए बेहद जरूरी हैः

1. 'मेरी अपनी एक अलग पहचान है, तुलना का अंत कीजिए'

जब हम किसी दूसरे बच्चे की सफलता का उदाहरण अपने बच्चे को देते हैं, तो हमें लगता है कि हम उसे 'मोटिवेट' कर रहे हैं। लेकिन हकीकत में, बच्चा अंदर से टूट रहा होता है। हर टीनेजर का मन कहता है 'मम्मी-पापा, मैं शर्मा जी का बेटा नहीं हूँ। मुझमें अपनी खूबियाँ हैं, शायद मैं गणित में कमजोर हूँ पर संगीत में बेहतर। प्लीज, मेरी तुलना करके मेरी काबिलियत पर सवाल मत उठाइए।'

2. 'रिपोर्ट कार्ड मेरा भविष्य तय नहीं करता'

अंकों की दौड़ ने बच्चों को एक 'मार्क्स मशीन' बना दिया है। कम नंबर आने पर बच्चा पहले से ही डरा होता है, ऐसे में माता-पिता की नाराजगी उसे डिप्रेशन की ओर

धकेल सकती है। बच्चा बस इतना चाहता है कि परीक्षा के बाद आप उससे यह न पूछें कि 'कितने आए?', बल्कि यह कहें— 'तूने मेहनत की, वही काफी है। अंक चाहे जो हों, मैं हमेशा तेरे साथ हूँ।'

3. 'मेंटल हेल्थ ब्रेकः मैं रोबोट नहीं, इंसान हूं'

सुबह 7 बजे से रात 10 बजे तक स्कूल, ट्यूशन और होमवर्क के चक्र में बच्चा थक जाता है। अगर आपका बच्चा कभी बस छत को निहारना चाहता है या कुछ देर मोबाइल या गेम खेलना चाहता है, तो उसे 'समय की बर्बादी' न समझें। उसे भी दिमागी थकान होती है और उसे 'रिचार्ज' होने के लिए अपना खाली समय (Personal Space) चाहिए।

4. 'मुझे सलाहकार नहीं, एक हमदर्द चाहिए'

अक्सर जब बच्चा अपनी कोई परेशानी साझा करता है, तो माता-पिता तुरंत 'लेक्चर' या समाधान देना शुरू कर देते हैं। टीनेजर्स को अक्सर सुझावों की नहीं, बल्कि एक 'लिसनर' (सुनने वाले) की जरूरत होती है। वे चाहते हैं कि आप बस उनकी बात सुनें, बिना यह बताए कि उन्होंने कहाँ गलती की। कभी-कभी बस 'मैं हूँ ना' कहना ही सबसे बड़ी दवा बन जाता है।

5. 'आपका प्यार मेरी जीत पर निर्भर न हो'

सबसे बड़ी कड़वी सच्चाई यह है कि बच्चे पढ़ाई से ज्यादा इस बात से डरते हैं कि वे आपको 'निराश' कर देंगे। उनके मन में यह डर बैठ जाता है कि अगर वे अच्छा नहीं कर पाए, तो शायद आपका प्यार कम हो जाएगा। उन्हें यह भरोसा दिलाना आपकी जिम्मेदारी है कि आपका स्नेह उनके रिजल्ट या करियर की सफलता का मोहताज नहीं है।

अभिभावकों के लिए एक छोटा सा सुझाव

आज का कॉम्पीटीशन कल से कहीं ज्यादा कठिन है। आपका बच्चा एक ऐसे युद्ध में है जहाँ हर तरफ तुलना है। आज जब वह स्कूल या कोचिंग से घर आए, तो उससे यह न पूछें कि 'आज क्या सीखा?', बल्कि उसके पास बैठकर बस इतना पूछें 'बेटा, आज तुम्हारा दिन कैसा रहा? क्या तुम खुश हो?' याद रखिए, एक टूटा हुआ ग्रेड सुधारा जा सकता है, लेकिन एक टूटा हुआ बचपन और विश्वास जोड़ना बहुत मुश्किल होता है।

रक्तस्राव पर काबूः चिकित्सा विज्ञान की ऐतिहासिक कामयाबी

चोट से जख्मी लोगों, युद्ध में घायल सैनिकों व बीमारी आदि में रक्तस्राव के रोगियों की खून बहकर मौत होना हजारों साल तक मृत्यु का प्रमुख कारण रहा। वजह थी बहते हुए रक्त को रोकने की प्रभावी तकनीक नहीं होना। यदि खून को बहने से रोक लिया जाए तो जटिल सर्जरी में जोखिम कम हो जाता है। जान बचने की संभावना बढ़ जाती है। पिछले 200 सालों में खून बहने की 100 से ज्यादा तकनीकें विकसित की गई हैं जो क्रांतिकारी उपलब्धि है। बहते हुए खून को रोक पाना मेडिकल साइंस की एक ऐसी उपलब्धि थी, जिसने न सिर्फ इलाज की तकनीक बदली बल्कि मानव सभ्यता की सर्जरी, युद्ध-चिकित्सा, प्रसव-चिकित्सा और आपातकालीन चिकित्सा-सबको नई उम्र दे दी। अगर इसे 'कितनी बड़ी उपलब्धि' के रूप में आंकें, तो यह एंटीबायोटिक की खोज और एनेस्थीसिया (बेहोशी की दवा) के साथ मेडिकल इतिहास की टॉप-3 गेमचेंजर उपलब्धियों में गिनी जा सकती है। वजह खून बहकर मौत होना हजारों साल तक मानव मृत्यु का सबसे तेज़ और सबसे बड़ा कारण रहा।

बहता खून रोकने की क्रांतिकारी तकनीक

आज हमें लगता है कि कट लग गया तो पट्टी,टांका या दवा हो जाएगी। लेकिन इतिहास में लंबे समय तक मामूली घाव भी घातक रक्तस्राव बन जाता था। सदियों तक प्रसव में रक्तस्राव महिलाओं की मौत का प्रमुख कारण था। युद्ध में घायल सैनिक ज्यादातर खून बह जाने के कारण मरते थे। क्योंकि खून रोकने की क्षमता कमजोर थी। खून रोक पाने का मतलब था, मौत के मुंह से मरीज को वापस लाना। इसीलिए यह उपलब्धि क्रांतिकारी थी? क्योंकि रक्तस्राव रुकते ही जटिल सर्जरी भी संभव हो गयी जबकि जब तक खून रोकने की विश्वसनीय तकनीक नहीं थी, तब तक पेट, छाती, हड्डी, नसों की सर्जरी बहुत जोखिम भरी थी।

युद्ध के मैदान में चिकित्सा सुविधाएं

यूरोप में 14वीं और 15वीं शताब्दी में

औसत उम्र 30 साल होती थी, आज करीब 85 साल है। एशिया के जिस देश ने सबसे खूंखार और बर्बर युद्ध लड़े उस जापान में आज औसत उम्र 90 से ज्यादा है। प्राचीनकाल में युद्धों में 90 से 95 फीसदी तक मौतें युद्ध के मैदान में ही हो जाती थीं और उसका कारण यह होता था कि घायल होने के बाद उन सैनिकों का खून बहुत तेजी से बह जाता था। यूरोप में 15वीं, 16वीं शताब्दी में ज्यादातर सैनिक तलवार घोंपने से मारे जाते थे और तलवार घोंपने और मरने के बीच का अंतराल औसत महज 3 घंटे होता था। आज घायल सैनिक 10-10 दिन तक जिंदगी और मौत से लड़ सकते हैं। क्योंकि आज युद्ध के मैदानों में भी इतनी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं कि युद्ध लड़ते हुए भी सैनिक अकाल मौत न मरें।

चिकित्सा में तामझाम की उपयोगिता

जैसा कि हम सब जानते हैं आज की तारीख में चिकित्सा एक बड़े तामझाम वाली प्रक्रिया बन गई है और यह किसी दिखावट का हिस्सा नहीं है, यह जरूरत है। चिकित्सा में तामझाम बढ़ने का मतलब है अधिक से अधिक जीवन की सुनिश्चितता प्रदान करने वाली तकनीकों को एक साथ इस्तेमाल करना। लेकिन युद्ध के मैदान में आज भी वो तमाम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो सकतीं, जो किसी मल्टीस्पेशलिस्ट हॉस्पिटल में उपलब्ध होती हैं या कि ट्रॉमा सेंटर में। युद्ध के मैदान में आज भी देसी अंदाज में कहा जाए तो 'जुगाड़ से काम चलता है'। लेकिन आज उस तरह जुगाड़ इस्तेमाल नहीं होते, जैसे कुछ शताब्दियों पहले होते थे, शायद इसीलिए आविष्कारों के नजरिये से चिकित्सा, उतनी उर्वर नहीं है, जितनी पहले हुआ करती थी। बहरहाल यह एक लंबी गाथा है। इसलिए बहते खून का रुक जाना एक तरह से बड़ा जीवनदान बन गया है।

हादसे में तुरंत रक्तस्राव रोकना महत्वपूर्ण

ये सिर्फ युद्धों की बात नहीं है। आज भी दुनिया में सड़क दुर्घटनाओं में जितनी मौतें होती हैं, उनमें से 50 फीसदी से ज्यादा के पीछे ज्यादा खून का बह जाना ही कारण होता है। चिकित्सा विज्ञान को 300 साल पहले ही यह पता चल गया था कि जीवन बचाने के लिए बहते खून को न सिर्फ रोकना बहुत जरूरी है बल्कि जितना जल्दी इसे रोका जाए, उतना अच्छा है। शायद इसीलिए डॉक्टर दुर्घटना में घायलों के लिए उनके पहले घंटे को गोल्डन ऑवर कहते हैं।

बैंडेज जैसी कई उन्नत तकनीकें

यदि दुर्घटना में चोट लगने पर पहले घंटे के दौरान फर्स्ट एड के जरिये खून को बहने से रोक लिया जाए तो जान बचने की संभावना 70 फीसदी हो जाती है। पिछले 200 सालों में खून बहने की 100 से ज्यादा तकनीकें विकसित की गई हैं। उन्हीं का नतीजा है कि आज भारत जैसे देश में खून बहने से रोकने की एक ऐसी तकनीक है, जो महज 30 सेकेंड में यह कारनामा करके दिखाती है। बहते खून को आज भारत में विकसित हुई एक बैंडेज तकनीक के जरिये महज आधे घंटे में रोका जा सकता है।

बैंडेज तकनीक के अलावा भी दुनिया में आज बहते खून को रोक देने की चिकित्सा विज्ञान के पास दर्जनों कामयाब तकनीकें हैं, जिससे 5 मिनट से लेकर 15 मिनट तक में बड़ा से बड़ा रक्तस्राव रुक जाता है। इससे घायल व्यक्ति का बचना आसान हो जाता है। लेकिन यह तकनीक इंसान को शायद कभी न मिलती, अगर उसने खून खराबे का लंबा जीवन न जिया होता।

गैस पाइपलाइन विवाद में घर में घुसकर मारपीट का आरोप, सोने की चेन छीनी

उन्नाव के इंद्रा नगर की घटना, पड़ोसी समेत छह लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

संवाददाता

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश के उन्नाव स्थित इंद्रा नगर मोहल्ले में गैस पाइपलाइन को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति ने पड़ोसी संजय वर्मा, उसकी मां नन्हक्की और चार अज्ञात लोगों पर घर में घुसकर मारपीट करने, सोने की चेन छीनने और उसकी बेटी के साथ अभद्रता करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित के मुताबिक, उसके मकान और पड़ोसी के घर के पास से सीयूजीएल कंपनी की गैस पाइपलाइन गुजरती है, जिसको लेकर पहले भी विवाद और गाली-गलौज होती रही है। आरोप है कि 18 अक्टूबर 2026 की रात करीब 10:10 बजे आरोपी लाठी-डंडे लेकर उसके घर पहुंचे। विरोध करने पर मारपीट की और घर के अंदर घुसकर सामान में तोड़फोड़ की।

पीड़ित ने गले से सोने की चेन छीनने का भी आरोप लगाया है। पीड़ित का कहना है कि बीच-बचाव करने पहुंची उसकी बेटी एकता बाजपेयी के साथ भी अभद्रता और मारपीट की गई। शोर सुनकर गौरव प्रताप द्विवेदी और अन्य स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर परिवार को बचाया। आरोपियों पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। पीड़ित ने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए पुलिस से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल मामले में पुलिस का आधिकारिक पक्ष और आरोपों की पुष्टि सामने आना बाकी है।

दिव्यांग रिक्शा चालक ने लगाई न्याय की गुहार महिलाओं पर मारपीट का आरोप

संवाददाता

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में दिव्यांग बैटरी रिक्शा चालक अनुपम कुमार ने कुछ महिलाओं पर मारपीट का आरोप लगाते हुए न्याय की मांग की है। पीड़ित के अनुसार, वह बैटरी रिक्शा से सामान ढोकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। आरोप है कि कुछ महिलाओं ने उसके साथ मारपीट की, जिसका वीडियो सामने आने की बात कही जा रही है। अनुपम कुमार, पुत्र दुर्गा प्रसाद, का कहना है कि उसने संबंधित पुलिस चौकी में शिकायत की, लेकिन अब तक सुनवाई नहीं हुई। कार्रवाई न होने से वह परेशान है और उसने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। विकलांग प्रकोष्ठ के नेता तन्मय श्रीवास्तव ने पीड़ित का समर्थन करते हुए बताया कि मामले को आला अधिकारियों के सामने रखा गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शिकायत पर सुनवाई कर न्याय नहीं मिला, तो आंदोलन किया जाएगा। फिलहाल पुलिस का आधिकारिक पक्ष और कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस: इंदौर के अस्पताल में भाई के पास छिपकर रह रहा था आरोपी प्रांजल

सोशल मीडिया पर हथियारों के प्रदर्शन वाले वीडियो मिले पानीपत फायरिंग मामले में भी नाम आने का दावा

संवाददाता

इंदौर, मध्य प्रदेश। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग के मामले में इंदौर से गिरफ्तार किए गए आरोपी प्रांजल ठाकरान के बारे में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। जांच के दौरान सामने आया कि हरियाणा के सोनीपत निवासी 22 वर्षीय प्रांजल पिछले पांच दिनों से इंदौर में था। पुलिस की तलाश से बचने के लिए वह किसी होटल में ठहरने के बजाय अपने पैरालिसिस पीड़ित भाई के पास अस्पताल में रात बिताता था। जानकारी के मुताबिक, प्रांजल मालवा मिल चौराहे स्थित अंकुर स्टेप डाउन सेंटर में भर्ती अपने भाई से मिलने रोज जाता था। दिनभर अस्पताल में रहने के बाद वह रात को विजिटर्स रूम में ठहर जाता था। उसके भाई की यहां फिजियोथेरेपी चल रही थी। टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग की घटना के बाद उसे पुलिस द्वारा तलाश किए जाने की जानकारी थी, इसलिए वह अस्पताल में ही रुक रहा था।

सोशल मीडिया पर हथियारों के वीडियो

जांच में प्रांजल के इंस्टाग्राम अकाउंट पर हथियारों के प्रदर्शन से जुड़े वीडियो मिलने की बात सामने आई है। इन वीडियो में पिस्तौल, बंदूक और गले में कारतूस की माला पहने हुए उसकी तस्वीरें शामिल बताई जा रही हैं। जेल परिसर के बाहर बनाए गए वीडियो भी मिलने की जानकारी है। वह खुद को हिंदू कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग का अध्यक्ष भी बताता था। इसके अलावा, इसी साल मार्च में पानीपत के एक मनी एक्सचेंज कार्यालय पर हुई फायरिंग के मामले में भी उसका नाम सामने आने की बात कही जा रही है। पुलिस अब इन तथ्यों की जांच के साथ मुंबई में हुई फायरिंग की घटना में उसकी कथित भूमिका का पता लगा रही है।

हथियार मुहैया कराने में मदद का आरोप

जांच एजेंसियों को आशंका है कि प्रांजल ने टाइगर श्रॉफ पर हमले में शामिल आरोपियों को हथियार उपलब्ध कराने में मदद की थी। उस पर हमले की जानकारी होने का आरोप भी है। हालांकि, मामले में उसकी भूमिका और आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। गौरतलब है कि 18 अक्टूबर को मुंबई के जुहू इलाके में टाइगर श्रॉफ की कार पर पांच से छह राउंड फायरिंग हुई थी। घटना में अभिनेता सुरक्षित रहे, जबकि उनके ड्राइवर और एक व्लॉगर घायल हो गए थे। पुलिस इस मामले में आरोपियों के नेटवर्क और हथियारों की आपूर्ति से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है।

झांसी में 1 नवंबर को लगेगा मेगा विधिक सेवा एवं जागरूकता शिविर

पात्र लाभार्थियों को मौके पर मिलेंगी सरकारी योजनाओं की सुविधाएं, अधिकारियों को तैयारियां पूरी करने के निर्देश

देवेश प्रताप सिंह राठौर

झांसी, उत्तर प्रदेश। आगामी 1 नवंबर 2026 को झांसी में आयोजित होने वाले विशाल मेगा विधिक सेवा एवं जागरूकता शिविर की तैयारियों को लेकर विकास भवन सभागार में समन्वय बैठक हुई। बैठक जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष श्रीमती कमलेश कच्छल के मार्गदर्शन में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा शिविर के नोडल अधिकारी शरद कुमार चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इसमें मुख्य विकास अधिकारी रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रभारी सचिव मुन्ना लाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। नोडल अधिकारी शरद कुमार चौधरी ने निर्देश दिए कि शिविर को 'सिंगल विंडो सिस्टम' की तर्ज पर आयोजित किया जाए, ताकि ग्रामीणों, वृद्धजनों, दिव्यांगजनों, निराश्रित महिलाओं, किसानों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों सहित सभी पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव या प्रक्रियागत जटिलताओं के कारण कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं से वंचित नहीं रहना चाहिए। प्रभारी सचिव मुन्ना लाल ने अधिकारियों को पात्र लाभार्थियों की सूची समय से तैयार करने और शिविर में विभागीय स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी देने के निर्देश दिए। पात्र लोगों को उपकरण, प्रमाण-पत्र, स्वीकृति पत्र और अन्य अनुमन्य सुविधाएं मौके पर उपलब्ध कराने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर भी जोर दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड ने समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास, श्रम, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और ग्राम्य विकास सहित सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी मौजूद रहे।

पीईटी परीक्षा में सख्त सुरक्षा जांच: अलीगढ़ में 39 केंद्रों पर 1.14 लाख से अधिक अभ्यर्थी पंजीकृत डीएंम और एसएसपी ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

संवाददाता

अलीगढ़, उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) के पहले दिन रविवार को अलीगढ़ के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा जांच की गई। परीक्षा में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए अभ्यर्थियों की सघन तलाशी ली गई। इस दौरान जांच के तहत अभ्यर्थियों के बेल्ट और कुंडल उतरवाए गए। वहीं, जिलाधिकारी अविनाश कुमार और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था और परीक्षा संचालन की तैयारियों का जायजा लिया। जिले में परीक्षा के लिए कुल 39 केंद्र बनाए गए हैं, जहां 1,14,624 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। परीक्षा 25 और 30 अक्टूबर तथा 1 नवंबर 2026 को दो-दो पालियों में आयोजित की जा रही है। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के पंजीकरण को देखते हुए परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्था बनाए रखने और आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन कराने पर विशेष जोर दिया गया।

डीएम और एसएसपी ने किया निरीक्षण

जिलाधिकारी अविनाश कुमार और एसएसपी नीरज कुमार जादौन ने नौरंगीलाल राजकीय इंटर कॉलेज, एचबी इंटर कॉलेज और श्री टीकाराम इंटर कॉलेज सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने केंद्रों पर की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों से परीक्षा संचालन की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने केंद्र व्यवस्थापकों और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा आयोग के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न कराई जाए। उन्होंने परीक्षा प्रक्रिया पर लगातार निगरानी रखने और किसी भी तरह की अनियमितता को रोकने के लिए सतर्क रहने को कहा।

नकल करने वालों पर होगी कार्रवाई

डीएम ने स्पष्ट किया कि परीक्षा की निष्पक्षता और शुचिता से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जाएगा। नकल या अनुचित साधनों का प्रयोग करने तथा अन्य अनियमितताओं में शामिल पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा जांच के दौरान अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। बेल्ट और कुंडल उतरवाकर जांच किए जाने के बीच अधिकारियों ने परीक्षा व्यवस्था पर निगरानी बनाए रखी। प्रशासन का जोर परीक्षा को व्यवस्थित, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने पर है। जिले में परीक्षा की आगामी पालियों और निर्धारित तिथियों पर भी व्यवस्थाओं की निगरानी जारी रहेगी। अधिकारियों ने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने और परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने को कहा है।

पीएम मोदी ने वाराणसी में 150 करोड़ की अरविंद लिमिटेड की औद्योगिक इकाई का किया लोकार्पण, हंजारों को मिलेगा रोजगार

संवाददाता

वाराणसी, उत्तर प्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के मिर्जामुराद स्थित खोचवां में अहमदाबाद की कपड़ा निर्माता कंपनी अरविंद लिमिटेड की नई औद्योगिक इकाई का लोकार्पण किया। करीब 150 करोड़ रुपये की लागत से सात से आठ एकड़ में स्थापित इस इकाई से स्थानीय लोगों के साथ पूर्वांचल के हजारों लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। इकाई में स्थानीय महिलाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। अब तक 300 से अधिक महिलाओं की भर्ती हो चुकी है और उन्हें प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे।

खेल परिधान और अंतर्वस्त्रों का होगा उत्पादन

पूर्वांचल में अरविंद मिल्स का यह पहला बड़ा विनिर्माण संयंत्र है। यहां खेल परिधान, अंतर्वस्त्र और अन्य वस्त्रों का उत्पादन किया जाएगा। संयंत्र में जॉकी, यूएस पोलो और एरो जैसे ब्रांडों के उत्पाद बनाए जाएंगे। इस इकाई से क्षेत्र में कपड़ा एवं परिधान निर्माण के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलने की उम्मीद है। साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

महिलाओं को रोजगार और प्रशिक्षण में प्राथमिकता

औद्योगिक इकाई में स्थानीय महिलाओं को रोजगार देने पर विशेष जोर दिया गया है। अब तक 300 से अधिक महिलाओं की भर्ती की जा चुकी है और उन्हें काम से संबंधित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकार्पण के बाद 'अपना हुनर अपनी पहचान' पहल के तहत कामगार महिलाओं से संवाद किया। उन्होंने महिलाओं से उनके काम, प्रशिक्षण और कार्य के दौरान आने वाली चुनौतियों के बारे में जानकारी ली।

कपड़ों की प्रदर्शनी का किया अवलोकन

प्रधानमंत्री ने इकाई के पदाधिकारियों से उत्पादन प्रक्रिया और कपड़ों की जानकारी ली। उन्होंने अरविंद लिमिटेड की ओर से तैयार किए गए कपड़ों और खादी सामग्री की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। कंपनी धागे और कपड़े से लेकर तैयार वस्त्रों तक के निर्माण से जुड़ी है। इसके अलावा यह औद्योगिक उपयोग के लिए विशेष प्रकार के वस्त्र भी बनाती है।

1931 में हुई थी कंपनी की शुरुआत

अरविंद लिमिटेड की स्थापना वर्ष 1931 में हुई थी। कंपनी का मुख्यालय अहमदाबाद, गुजरात में है। यह डेनिम, सूती, लिनेन, सादे कपड़े और सूट के लिए फैब्रिक सहित विभिन्न प्रकार के वस्त्रों का उत्पादन करती है। कंपनी का कारोबार कपड़ा निर्माण से लेकर तैयार परिधानों तक फैला हुआ है। इस औद्योगिक संयंत्र के दो और चरणों का निर्माण प्रस्तावित है। इनके पूरा होने के बाद उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ क्षेत्र में हजारों अतिरिक्त रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। इस परियोजना को पूर्वांचल में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और स्थानीय युवाओं एवं महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

कॉलेज से लौट रही छात्रा से छेड़छाड़, दोस्ती का दबाव बनाने का आरोप

संवाददाता

बरेली, उत्तर प्रदेश। बरेली में कॉलेज से घर लौट रही 18 वर्षीय छात्रा के साथ छेड़छाड़ और दोस्ती करने का दबाव बनाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक युवक कई महीनों से छात्रा का पीछा कर रहा था और मना करने पर उसे जान से मारने की धमकी देता था। मामले में छात्रा के पिता ने दो नामजद समेत चार आरोपियों के खिलाफ बिथरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। छात्रा के पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी एक कॉलेज में पढ़ाई करती है। आरोप है कि रामनगर गौटिया निवासी अमन कॉलेज आने-जाने के दौरान रास्ते में उसे रोककर परेशान करता था। वह छात्रा पर दोस्ती करने का दबाव बनाता था और इनकार करने पर जान से मारने की धमकी देता था। पिता के अनुसार, शनिवार को दोपहर करीब 2:44 बजे उनकी बेटी कॉलेज से घर लौट रही थी। इसी दौरान रास्ते में अमन ने उसे रोक लिया और कथित तौर पर छेड़छाड़ करने लगा।

आरोपी से बचने के लिए छात्रा पास के एक पार्क में चली गई, लेकिन आरोप है कि युवक अपने साथियों के साथ वहां भी पहुंच गया और उसे परेशान करने लगा। घटना से घबराई छात्रा ने तुरंत अपने पिता को फोन कर पूरे मामले की जानकारी दी। इसके बाद पिता ने पुलिस से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मामले में पुलिस की जांच और आगे की कार्रवाई का विवरण सामने आना बाकी है।

दशहरा मेला देखने गई बीए की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म

आयुष और साहिल हिरासत में, तीसरे युवक की तलाश

संवाददाता

लखनऊ, उत्तर प्रदेश। काकोरी के मौंदा गांव में दशहरा मेला देखने गई बीए प्रथम वर्ष की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता ने अपने पूर्व परिचित आयुष पाल और उसके दोस्त पर वारदात को अंजाम देने का आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर दोनों को हिरासत में ले लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। मामले में एक अन्य युवक की भूमिका की भी जांच की जा रही है। इंस्पेक्टर काकोरी सतीश चंद्र राठौर के मुताबिक, छात्रा 20 अक्टूबर को परिजनों के साथ मौंदा गांव में दशहरा मेला देखने गई थी। वहां उसकी मुलाकात पतौरा गांव निवासी पूर्व परिचित आयुष पाल से हुई। आरोप है कि आयुष चाय पिलाने के बहाने छात्रा को बाइक से अपने साथ ले गया। कुछ दूर जाने पर उसका दोस्त भी बाइक पर बैठ गया। इसके बाद दोनों छात्रा को एक बाग में ले गए, जहां उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ हाथापाई की और धमकाया। घटना के बाद डरी-सहमी छात्रा किसी तरह घर पहुंची। डर के कारण उसने परिजनों को वारदात के बारे में नहीं बताया। तीन दिन बाद पेट में दर्द होने पर उसने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजन शिकायत लेकर सरोजनीनगर थाने पहुंचे। वहां से उन्हें घटना काकोरी क्षेत्र की होने की जानकारी देकर काकोरी थाने भेज दिया गया। इसके बाद पुलिस ने छात्रा की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की।

तीसरे युवक की भूमिका की जांच

एसीपी काकोरी शकील अहमद के अनुसार, मामले में पतौरा गांव निवासी आयुष पाल और कनक सिटी निवासी साहिल को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। छात्रा ने अपने बयान में बताया है कि कथित वारदात के बाद आरोपियों का एक अन्य साथी भी मौके पर पहुंचा था। पुलिस इस युवक की भूमिका की जांच कर रही है। एसीपी के मुताबिक, छात्रा का मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज कराया जाएगा। बयान में तीसरे युवक की संलिप्तता सामने आने पर उसे भी आरोपी बनाया जाएगा।

दूध जल्दी मांगने पर छह साल के बच्चे को गर्म कढ़ाई पर बैठाया, झुलसा

संवाददाता

अलीगढ़, उत्तर प्रदेश। थाना देहलीगेट क्षेत्र के नगला महताब में दूध लेने पहुंचे छह साल के बच्चे को दुकानदार ने कथित तौर पर गर्म कढ़ाई पर बैठा दिया। इससे बच्चे के कूल्हे और कमर का निचला हिस्सा गंभीर रूप से झुलस गया। घटना शनिवार देर रात की बताई जा रही है। बच्चे के पिता सुंदरलाल के मुताबिक, उनका छह साल का बेटा शनिवार देर रात दुकान पर दूध लेने गया था। आरोप है कि बच्चे ने दुकानदार से जल्दी दूध देने को कहा तो वह गुस्सा हो गया। इसके बाद दुकानदार लल्लू ने बच्चे को जबरन गर्म कढ़ाई पर बैठा दिया। गर्म सतह के संपर्क में आने से बच्चे के कूल्हे और कमर के निचले हिस्से की त्वचा बुरी तरह झुलस गई। घटना की जानकारी मिलने पर देहलीगेट पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और बच्चे को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। सीओ प्रथम कमलेश कुमार के अनुसार, मामले में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया है।

मप्र में वित्तीय अनियमितताओं पर कार्रवाई, 392 अधिकारी घेरे में, सात बर्खास्त

भोपाल। मध्य प्रदेश में वित्तीय अनियमितताओं के मामलों में राज्य सरकार ने करीब 392 अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। इनमें लगभग 135 मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) भी शामिल हैं। सरकारी धन के दुरुपयोग और वित्तीय गड़बड़ियों पर अंकुश लगाने के लिए की जा रही कार्रवाई के तहत अब तक सात अधिकारियों को बर्खास्त किया जा चुका है। जानकारी के अनुसार, वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मामलों में करीब तीन से चार करोड़ रुपये की वसूली की गई है। इसके अलावा, 80 से अधिक ठेकेदारों और सप्लायर्स के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। नगरीय प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने मीडिया को इस संबंध में जानकारी दी। राज्य सरकार सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और वित्तीय गड़बड़ियों पर नजर रखने के लिए तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का भी इस्तेमाल कर रही है। सरकार का उद्देश्य सरकारी धन के उपयोग में पारदर्शिता बनाए रखना, वित्तीय अनियमितताओं पर अंकुश लगाना और योजनाओं का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक पहुंचाना है।

मितौली ब्लॉक में हंगामे के मामले में पूर्व सपा विधायक समेत नौ पर एफआईआर दर्ज

संवाददाता

लखीमपुर खीरी, उत्तर प्रदेश। स्नातक एमएलसी चुनाव के दौरान मितौली ब्लॉक के सामने हुए हंगामे, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने पूर्व सपा विधायक सुनील भार्गव उर्फ लाला और उनके भाई पूर्व ब्लॉक प्रमुख रामखेलावन उर्फ छोटे समेत नौ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। चुरईपुरवा निवासी अमर अली ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि 23 अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब दो बजे मितौली ब्लॉक के सामने मुख्य मार्ग पर कुछ लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज की। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने कस्ता के पूर्व सपा विधायक सुनील भार्गव उर्फ लाला, उनके भाई मितौली के पूर्व ब्लॉक प्रमुख रामखेलावन उर्फ छोटे, विभु बाजपेयी, रजनीश श्रीवास्तव, धर्मपाल राज, सोनू, शैलेश, मुदीत और रमेश प्रधान को नामजद किया है। सीओ यादवेंद्र यादव ने बताया कि मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 190, 191(2), 352 और 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। विवेचना उपनिरीक्षक असित कुमार यादव को सौंपी गई है। पुलिस आरोपों की जांच कर रही है।

मतदान के दिन आमने-सामने आ गए थे दोनों पक्ष

स्नातक एमएलसी चुनाव के मतदान के दौरान मितौली ब्लॉक में सपा और भाजपा के समर्थक आमने-सामने आ गए थे। इस दौरान जमकर हंगामा हुआ था। सपा कार्यकर्ताओं ने मितौली के भाजपा विधायक सौरभ सिंह सोनू और उनके पिता पूर्व सांसद जुगल किशोर पर मतदान केंद्र में घुसने का आरोप लगाते हुए विरोध जताया था। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच तनाव की स्थिति बन गई थी। इसी प्रकरण को लेकर भाजपा विधायक के गांव चुरईपुरवा निवासी अमर अली की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई है।

मालिक, प्रकाशक व मुद्रक- सुनील कुमार तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट नं. ०४, ग्राउंड फ्लोर, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नियर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं ०२, गोरेगांव (पूर्व) मुंबई-४०००६३ से मुद्रित व ६१७, बिल्डिंग नं. १४ नियर शिव शक्ति बिल्डिंग, गोलीबार रोड, सान्ताक्रूज (पूर्व), मुंबई-४०००५५ से प्रकाशित। **संपादक- सुनील कुमार तिवारी,** RNI. NO. MAHMUL/2017/74054 । **संपादकीय कार्यालय: ब्रह्मदीन शर्मा चाल, जवाहर नगर, साईबाबा रोड, खार (पूर्व) मुंबई - 400051, Mob. 8898271111**